'राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

समाचार गेट

TITLE CODE : HARHIN11569

वर्ष 01, अंक 205 पृष्ठ 08 मूल्य 01 रूपए तीरवार, 10 अक्टूबर 2024 samachargate@gmail.com

जरूरी सूचना

सुधी पाठकों को सूचित किया जाता है कि समाचार गेट के नाम पर अगर कोई पत्रकार आपसे पैसे की मांग करता है तो कृपया 9212339503 पर संपर्क करें। समाचार गेट में कार्य कर रहे पत्रकार सिर्फ वही हैं जिनके नाम से खबर छपती हैं।

हरियाणा में भाजपा की ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भरोसे की जीत है : नायब सैनी

हरियाणा में शानदार जीत के बाद राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षामंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष से मिले मुख्यमंत्री नायब सैनी

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने हरियाणा वासियों से विशेष स्नेह रखने के लिए शीर्ष नेतृत्व का हृदय से जताया आभार

समाचार गेट/नरवीर यादव

चंडीगढ़। हरियाणा में भाजपा की शानदार जीत मिलने के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बुधवार को दिल्ली पहुंचे। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पीएम नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल से शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री ने शीर्ष नेताओं का शॉल ओढ़ाकर व पुष्प गुच्छ तथा भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति देकर स्वागत किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने हरियाणा में भाजपा को मिले जनादेश को लेकर चर्चा की और हरियाणा वासियों से विशेष स्नेह रखने के लिए शीर्ष नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृहमंत्री, रक्षामंत्री एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष से मुलाकात कर हरियाणा की ऐतिहासिक जीत की बधाई दी एवं उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया। नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा की यह ऐतिहासिक जीत प्रधानमंत्री मोदी की नीतियों पर भरोसे की जीत है, सुशासन की जीत है, समानता की जीत है और गरीब-कल्याण की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में हरियाणा निरंतर अथक परिश्रम करते हुए नए क्षितिज को छू रहा है।

मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा में जीत की शानदार हैट्रिक ने यह साबित कर दिया है प्रदेश की जनता का भरोसा भाजपा के सशक्त एवं सक्षम नेतृत्व तथा सुशासन और विकास की नीतियों में है। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के दौरान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश व प्रदेश के लोग स्नेह करते हैं और यह उसी का परिणाम है कि हरियाणा के अंदर तीसरी बार प्रचंड बहुमत से भाजपा ने जीत दर्ज की है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा के लोगों का भी धन्यवाद किया जिन्होंने मोदी जी की नीतियों पर मुहर लगाई। उन्होंने हरियाणा के सभी देवतुल्य कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि कार्यकर्ताओं की मेहनत से यह जीत हासिल हुई है। श्री सैनी ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत कर डबल इंजन सरकार की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम किया है।

फरीदाबाद : जीतने के बाद एक्शन मोड में आए विधायक विपुल गोयल

निगमाधिकारियों को 7 दिन में सफाई और सीवरेज समस्या दुरुस्त करने के दिए निर्देश

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक विपुल गोयल चुनाव जीतते ही एक्शन मोड में नजर आए। उन्हें चुनाव जीते अभी 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि बुधवार को उन्होंने निगमाधिकारियों की बैठक बुलाकर समस्याओं के निदान के लिए निर्देश जारी कर दिए। विपुल गोयल ने बुधवार को सर्किट हाउस में सुबह निगम अधिकारियों की बैठक बुला ली। इस बैठक में उन्होंने निगमाधिकारियों को सफाई व्यवस्था, सीवरेज समस्या तथा स्ट्रीट लाइटों को 7 दिन में दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं भाजपा विधायक ने निगमाधिकारियों को यह भी स्पष्ट कर दिया कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने अपने विधानसभा क्षेत्र की हालत देखी है। इसलिए 7 दिन बाद वे पुन: निरीक्षण करने के लिए निकलेंगे और देखेंगे कि समस्याओं का समाधान हुआ या नहीं। विपुल गोयल ने निगमाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि उनकी विधानसभा की कालोनियों और गांवों के साथ-साथ सैक्टरों में भी गंदगी का बुरा हाल है। इसके साथ-साथ विपुल गोयल ने सीवरेज जाम होने के कारण जमा हुए गंदे पानी और सीवरों के ढक्कन न होने की समस्या का भी 7 दिन में निदान करने के निर्देश दिए। भाजपा विधायक विपुल गोयल ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यालयों में बैठने की बजाय शहर का चक्कर लगाकर देखें कि इलाके का क्या हाल है। विपुल गोयल ने चिंता व्यक्त करते हुए अधिकारियों से कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने देखा कि कई इलाके ऐसे थे जहां गंदगी के कारण बिना मास्क के निकल पाना भी संभव नहीं है। जबकि लोग वहां नियमित रूप से रहते हैं। उन्होंने कहा कि सफाई, सीवरेज समस्या और स्ट्रीट लाइटों को प्राथमिकता के आधार पर दुरुस्त किया जाए। विपुल गोयल ने इस दौरान स्ट्रीट लाइटों के अधिकारी से पूछा कि कितनी लाइटें उनकी विधानसभा में लगी हुई हैं और उसमें से कितनी लाइटें खराब हैं। इसका जब अधिकारी संतोष जनक उत्तर नहीं दे पाए तो भाजपा विधायक ने यह डाटा तैयार करने के लिए कहा कि उन्हें पता होना चाहिए कि कितनी लाइटें खराब हैं। बैठक के दौरान ही भाजपा विधायक विपुल गोयल ने निगमायुक्त से फोन पर बात की और उक्त समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को सहयोग करने के लिए कहा। इस दौरान मौजूद निगमाधिकारियों ने भी भाजपा विधायक से वादा किया उन्हें एक सप्ताह में बदलाव नजर आएगा।

बिजेन्द्र नेहरा के कार्यालय पर हरियाणा चुनाव की जीत का जश्न, बोले: जनता ने राहुल गांधी की बना दी जलेबी

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के पूर्ण बहुमत से जीतने के बाद नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं में हर तरफ जीत का माहौल दिखाई दे रहा है। पृथला विधानसभा में शाहपुरा जाट चौक स्थित भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा के कार्यालय पर पार्टी के जीतने की बधाई देने के लिए हजारों की संख्या में लोग पहुंचे और प्रदेश में बीजेपी के प्रचंड जीत की उन्हें बधाई दी। इस मौके पर नेहरा ने कहा कि अन्य विधानसभाओं के मुकाबले में हम बेशक पृथला में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए, लेकिन हम यहां के मतदाताओं का और उनके फैसले का सम्मान करते हैं, वह पहले की तरह ही लोगों के कार्य और उनका सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बीजेपी की सरकार बनने जा रही है और लोग यहां बधाई संदेश देने के लिए आ रहे हैं जिनका हम दिल गहराईयों से स्वागत और अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद से जीते विधायकों में तिगांव विधानसभा से राजेश नागर, बल्लभगढ़ विधानसभा से मूलचंद शर्मा फरीदाबाद 89 विधानसभा से विपुल गोयल, बडकल विधानसभा से धनेश अदलखा और एनआईटी 86 विधानसभा से सतीश फागना जी के जीतने पर हम सभी देवतुल्य मतदाताओं का आभार प्रकट करते हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि कांग्रेसी नेताओं द्वारा कांग्रेस कार्यालय पर जलेबी बनाते हुए एक वीडियो सामने आया था। इसको लेकर भाजपा हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता बिजेन्द्र नेहरा ने उन पर तंज कसा है। नेहरा का कहना है कि जनता ने राहुल गांधी की जलेबी बना दी।

विश्व जूनियर शूटिंग चैंपियनशिप में भारत का छाया जलवा

भारत ने 13 स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य पदक सहित कुल 24 पदकों के साथ चैंपियनशिप में शीर्ष स्थान हासिल किया

दीपक दलाल, कमलजीत और राज चंद्र की तिकड़ी ने किया कमाल

समाचार गेट/संजय शर्मा

फरीदाबाद। दीपक दलाल (545), कमलजीत (543) और राज चंद्र (528) की तिकड़ी ने पेरू की राजधानी लीमा में जूनियर विश्व शूटिंग चैंपियनशिप के समापन के दिन पुरुषों की 50 मीटर पिस्टल टीम का स्वर्ण पदक जीता। भारतीय निशानेबाजी टीम ने अजरबैजान को एक अंक से हराकर कुल 1616 अंकों के साथ पीला तमगा जीता। आर्मेनिया तीसरे स्थान पर रहा। कुल मिलाकर, भारत के जूनियर निशानेबाजों ने 13 स्वर्ण, तीन रजत और आठ कांस्य सहित 24 पदकों के साथ चैंपियनशिप शीर्ष पर समाप्त की।

दीपक दलाल का बल्लभगढ़ पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया सबसे पहले दलाल परिवार ने दीपक के साथ राजा नाहर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जहां दीपक दलाल का नोटों की माला पहनाकर स्वागत किया गया। इसके बाद दीपक को गाजे बाजे के साथ बल्लभगढ़ शहर में से होते हुए सेक्टर 62 स्थित घर तक ले जाया गया।

दीपक दलाल ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने माता-पिता और अपने कोच को दिया। उनका कहना है कि वह पहले रेसलिंग की प्रैक्टिस किया करते थे, लेकिन अभ्यास के दौरान इंजरी होने की वजह से रेसलिंग छोड़नी पड़ी तब अपने पिता रविन्द्र दलाल की सलाह पर उन्होंने शूटिंग को चुना।

दीपक दलाल के कोच को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है। उनके मुताबिक दीपक ने बहुत ही कम समय में अपनी लगन और मेहनत से यह मुकाम पा लिया है अन्य बच्चों को भी इससे प्रेरणा लेनी चाहिए।

भारतीय जूनियर निशानेबाजों ने पेरू की राजधानी लीमा में शुरू हुई इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन में अपने अभियान की शुरुआत पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में दो टीम स्वर्ण पदकों के साथ की, वहीं कनक ने महिला एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतकर भारत को पहला व्यक्तिगत पदक दिलाया। उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत पहले दिन के अंत में पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया जबकि रोमानिया और चीनी ताइपे ने दिन के दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इसके अलावा पांच अन्य देशों ने भी पहले दिन पदक जीते।

धरती का स्वर्ग कश्मीर

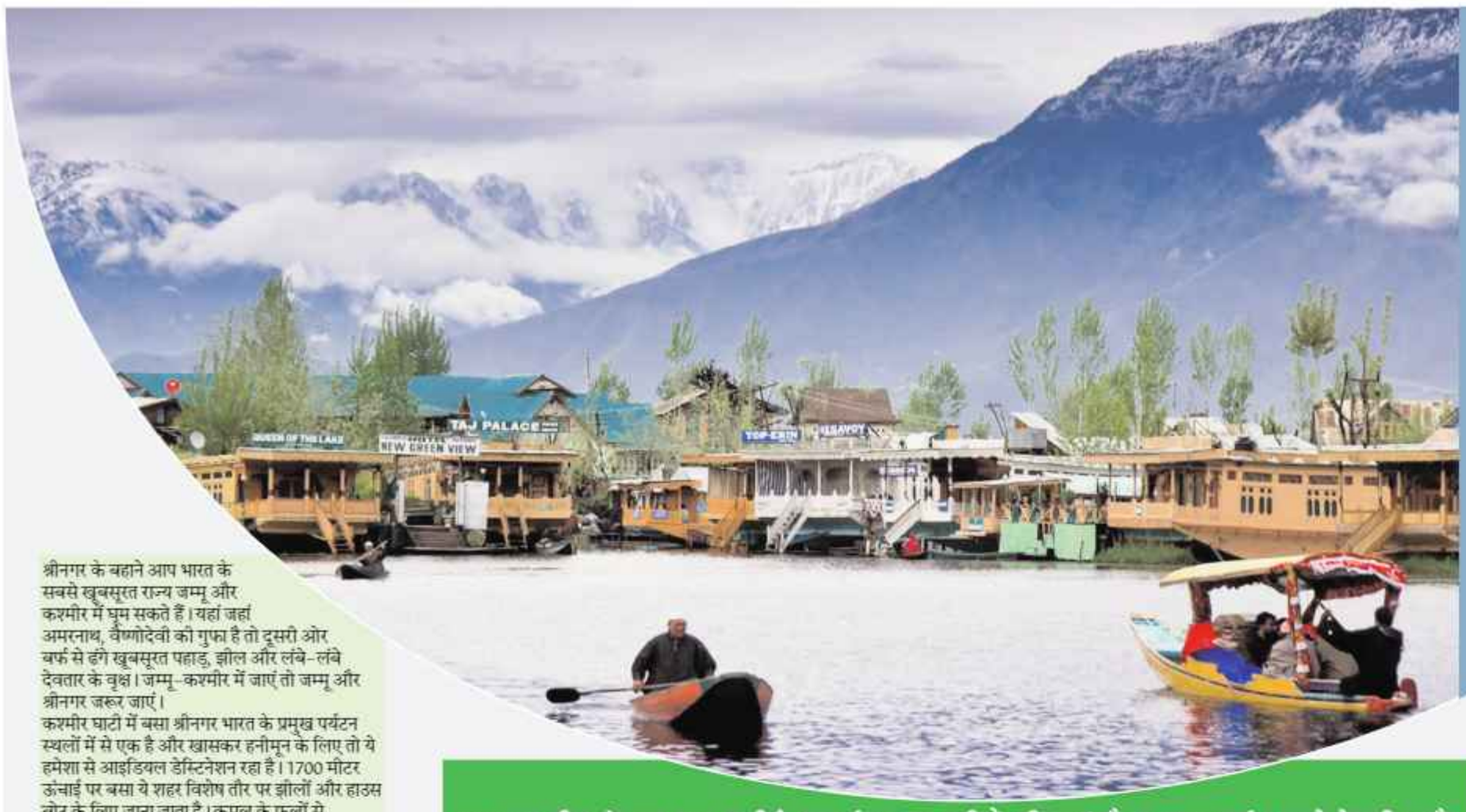

श्रीनगर के बहाने आप भारत के सबसे खूबसूरत राज्य जम्मू और कश्मीर में घूम सकते हैं। यहां जहां अमरनाथ, वैष्णोदेवी की गुफा है तो दूसरी ओर बर्फ से ढंगे खूबसूरत पहाड़, झील और लंबे-लंबे देवतार के वृक्ष। जम्मू-कश्मीर में जाएं तो जम्मू और श्रीनगर जरूर जाएं।

कश्मीर घाटी में बसा श्रीनगर भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों में से एक है और खासकर हनीमून के लिए तो ये हमेशा से आइडियल डेस्टिनेशन रहा है। 1700 मीटर ऊंचाई पर बसा ये शहर विशेष तौर पर झीलों और हाउस बोट के लिए जाना जाता है। कमल के फूलों से सुसज्जित डल झील पर कई खूबसूरत नावों पर तैरते घर हैं जिन्हें हाउस बोट कहा जाता है।

अगर आपको भीड़-भाड़ से दूर एकदम शांत वातावरण में किसी हाउस बोट में रहने की इच्छा है तो आप नागिन लेक या झेलम नदी पर खड़े हाउस बोट में ठहर सकते हैं। नागिन झील भी कश्मीर की सुंदर और छोटी-सी झील है। आमतौर पर यहां विदेशी सैलानी ही ठहरना पसंद करते हैं।

खूबसूरत झील के बाद बात आती है आकर्षक बाग-बगीचों की। यहां मौजूद मुगल गार्डन इतने बेहतरीन और सुनियोजित ढंग से तैयार किया गया है कि मुगलों का उद्यान-प्रेम इनकी खूबसूरती के रूप में यहां आज भी झलकता है। इसके अलावा शालीमार बाग, निशात बाग जैसे कई महत्वपूर्ण उद्यानों को देखे बिना श्रीनगर का सफर अधूरा-सा लगता है। इन उद्यानों में चिनार के पेड़ों के अलावा और भी छायादार वृक्ष हैं। रंग-बिरंगे फूलों की तो इनमें भरमार रहती है। इन उद्यानों के बीच बनाए गए झरनों से बहता पानी भी बेहद आकर्षक लगता है।

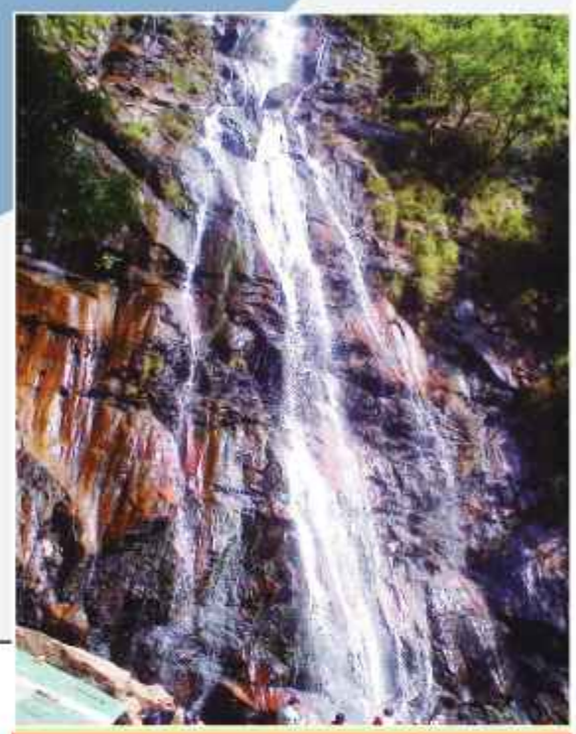

मध्य भारत का खूबसूरत पर्यटन स्थल

पचमढ़ी

मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्य भारत का सबसे खूबसूरत पर्यटन स्थल है। यहां के हरे-भरे और शांत वातावरण में बहुत-सी नदियों और झरनों के गीत पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं। इसके साथ ही यहां शिवशंकर के कई मंदिर भी है, जो आपको तीर्थयात्रा का सुकून देते हैं। वैसे तो ऐसा बहुत कम होता है कि आप कहीं छुट्टी मनाने जाएं और लगे हाथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाए। लेकिन यकीन मानिए, अगर आप मध्यप्रदेश के एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल पचमढ़ी जाएंगे, तो प्रकृति का भरपूर आनंद उठाने के साथ आपकी तीर्थयात्रा भी हो जाएगी।

लोकप्रिय जलप्रपात

यहां आप कई जलप्रपात का मजा ले सकते हैं जिसमें रजत प्रपात, बी फॉल्स तथा डचेज फॉल्स सबसे लोकप्रिय हैं। इसका बी फॉल्स नाम इसलिए पड़ा है क्योंकि पहाड़ी से गिरते समय यह झरना बिलकुल मधुमक्खी की तरह दिखता है। यह पिकनिक स्पॉट भी है, जहां आप नहाने का भी मजा ले सकते हैं। रास्ते में आम के पेड़ बहुतायत में दिखते हैं। डचेज फॉल पचमढ़ी का सबसे दुर्गम स्पॉट है। यहां जाने के लिए करीब डेढ़ किलोमीटर का सफर पैदल तय करना पड़ता है। इसमें से 700 मीटर घने जगलों के बीच से और करीब 800 मीटर का रास्ता पहाड़ पर से सीधा ढलान का है।

महादेव का दूसरा घर पचमढ़ी

दरअसल, पचमढ़ी को कैलाश पर्वत के बाद महादेव का दूसरा घर कह सकते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, भस्मासुर (जिसे खुद महादेव ने यह वरदान दिया था कि वह जिसके सिर पर हाथ रखेगा वह भस्म हो जाएगा और भस्मासुर ने यह वरदान खुद शिवजी पर ही आजमाना चाहा था) से बचने के लिए भगवान शिव ने जिन कंदाराओं और खोहों की शरण ली थी वह सभी पचमढ़ी में ही हैं। शायद इसलिए यहां भगवान शिव के कई मंदिर दिखते हैं। पचमढ़ी पांडवों के लिए भी जानी जाती है। यहां की मान्यताओं के अनुसार पांडवों ने अपने अज्ञातवास का कुछ काल यहां भी बिताया था और यहां उनकी पांच कुटिया या मढ़ी या पांच गुफाएं थीं जिसके नाम पर इस स्थान का नाम पचमढ़ी पड़ा है।

सतपुड़ा की रानी

पौराणिक कथाओं से बाहर आकर आज की बात करें तो मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी समुद्रतल से 1,067 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। सतपुड़ा की पहाड़ियों के बीच होने और अपने सुंदर स्थलों के कारण इसे सतपुड़ा की रानी भी कहा जाता है। सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान का भाग होने के कारण यहां चारो ओर घने जंगल हैं। पचमढ़ी के जंगल खासकर जंगली भैंसे के लिए प्रसिद्ध हैं। इस स्थान की खोज कैप्टन जे. फॉरसोथ ने 1862 में की थी। पचमढ़ी की गुफाएं पुरातात्विक महत्व की हैं क्योंकि इन गुफाओं में शैलचित्र भी मिले हैं। पचमढ़ी से निकलकर जब आप सतपुड़ा के घने जंगलों में जाएंगे तो आपको बाघ, तेंदुआ, साभर, चीतल, गौर, चिंकारा, भालू आदि अनेक प्रकार के जंगली जानवर मिलते हैं।

ऐसे पहुंचे

अगर आप दिल्ली से जा रहे हैं तो आपको पहले भोपाल पहुंचना होगा। यहां से पचमढ़ी की दूरी 211 किलोमीटर है और यह दूरी तय करने के लिए बसें मिलती रहती हैं। ये 211 किलोमीटर अगर अपनी गाड़ी से तय करें तो अति उत्तम। वैसे पचमढ़ी का नजदीकी रेलवे स्टेशन पिपरिया है जो कि पचमढ़ी से 52 किलोमीटर दूर है।

कहां ठहरे

मध्यप्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल होने के कारण होटलों के मामले में पचमढ़ी बेहद समृद्ध है। यहां पंजाबी के अलावा जैन, गुजराती और मराठी व्यंजन भी आसानी से उपलब्ध हैं, क्योंकि साल में एक बार यहां मेला लगता है जिसमें पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के लोगों की भागीदारी सबसे अधिक होती है। मध्यप्रदेश टूरिज्म के होटलों के अलावा यहां प्रायवेट होटल भी बहुतायत में हैं।

मनाली

प्रकृति का अद्भूत नजारा

मनाली भारत के हिमाचल प्रदेश प्रान्त का एक शहर है। मनाली कुल्लु घाटी के उत्तर में स्थित हिमाचल प्रदेश का लोकप्रिय हिल स्टेशन है। समुद्र तल से 2050 मीटर की ऊंचाई पर स्थित मनाली व्यास नदी के किनारे बसा है। गर्मियों से निजात पाने के लिए इस हिल स्टेशन पर हजारों की तादाद में सैलानी आते हैं। सर्दियों में यहां का तापमान शून्य डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। आप यहां के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों के अलावा मनाली में हाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, कायकिंग जैसे खेलों का भी आनंद उठा सकते है। यहां के जंगली फूलों और सेब के बगीचों से छनकर आती सुगंधित हवाएं दिलो दिमाग को ताजगी से भर देती हैं।

अर्जुन गुफा

इस गुफा को देखने के लिए देशभर से सैलानी यहां आते हैं। यह गुफा पिरनी गांव में है। मान्यता है कि महाभारत काल में अर्जुन ने यहां ठहर करके पशुपति अस्त्र हासिल किया था।

नेहरू कुंड

रोहतांग मार्ग पर बना यह सुन्दर प्राकृतिक झरना मनाली से महज 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, जहां सुबह-शाम सैलानियों का जमावड़ा रहता है।

सोलंग घाटी

सोलंग घाटी मनाली से 13 किलोमीटर की दूरी पर है। यहां बर्फ व ग्लेशियरों के अद्भुत नजारे देखने को मिलते हैं। स्कीइंग के लिए मशहूर यहां की ढलानों पर सैलानी इस खेल का खूब आनन्द लेते हैं।

आसपास के दर्शनीय स्थल

मनाली से कुछ दूरी पर है कुल्लू घाटी। यहां कलकल करती नदियां, पहाड़ियों से गिरते झरने, देवदार के घने वृक्ष कुल्लू घाटी के प्राकृतिक सौन्दर्य को बयां करते हैं। कुल्लू में ढेर सारे दर्शनीय स्थल हैं, जिनमें प्रमुख हैं मणिकर्ण। यहां कुदरती गर्म पानी के चश्मे (झरने) हैं। मणिकर्ण की दूरी कुल्लू से 40 किलोमीटर है। मणिकर्ण से 30 किलोमीटर आगे बर्फ से ढका ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क है, जिसमें कलरव करते रंग-बिरंगे पक्षी, कस्तूरी मृग, तेंदुए तथा तीतर भी देखे जा सकते हैं। इसके अलावा व्यास नदी के किनारे फलों के बागों की खूबसूरती देखते ही बनती है। 'कुल्लू' का दशहरा भी विश्व प्रसिद्ध है। यह त्योहार दशहरे के बाद शुरू होता है और करीब पन्द्रह दिन तक चलता है।

ऐसे पहुंचे

सड़क मार्ग

कुल्लू मनाली, दिल्ली से 600 किलोमीटर की दूरी पर है। यह शिमला से सीधे सड़क मार्ग से जुड़ा है। दिल्ली, शिमला व चंडीगढ़ से मनाली के लिए हिमाचल परिवहन निगम की बसें उपलब्ध हैं। साधारण किराया 480 रुपए, डीलक्स बस का किराया 850 रुपए है।

रेल मार्ग

यहां के लिए सीधी रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। निकटतम रेलवे स्टेशन चंडीगढ़ है। चंडीगढ़ से मनाली 260 किलोमीटर दूर है। आप शिमला होते हुए मनाली पहुंच सकते हैं। पिंजौर तक रेल द्वारा जाया जा सकता है। दिल्ली से कालका का किराया 150 रुपए है।

वायु मार्ग

कुल्लू मनाली वायु मार्ग द्वारा भी जाया जा सकता है। यहां का निकटतम हवाई अड्डा भुयंक है, जो मनाली से 50 किलोमीटर दूरी पर है। हवाई जहाज का किराया लगभग 6000 रुपए है।

हिडिम्बा मंदिर

लकड़ी से बना हिडिम्बा मन्दिर मनाली का मुख्य आकर्षण है। चार मंजिल का यह मंदिर 1553 में बनाया गया था, जो भीम की पत्नी हिडिम्बा को समर्पित है। पूरे मंदिर में काष्ठ पर हिन्दू मिथकों से ली गई गाथाएं उकेरी गयी हैं। ढूंगरी वन विहार में स्थित इस मंदिर में मई के महीने में भव्य उत्सव होता है। मनाली से दो किलोमीटर उत्तर पश्चिम में स्थित पुराना मनाली भी पर्यटकों को मुग्ध कर देता है। यह स्थान गेस्ट हाउसों और फूलों के बागीचों के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर स्थित है मनु महर्षि मंदिर। मान्यता है कि आदिपुरुष मनु ने यहीं पर ध्यान लगाया था। मनाली में माल रोड से करीब चार किलोमीटर दूरी पर वशिष्ठ नामक एक छोटा-सा गांव बसा हुआ है। इस गांव में मुनि वशिष्ठ और भगवान राम को समर्पित कई पुराने मंदिर हैं। यहीं पर ठंडे और गर्म चश्मे हैं, जहां आप भी स्नान कर सकते हैं। इसके अलावा तिब्बती शरणार्थियों द्वारा 1960 में निर्मित गाधन थेकचोलिंग गोम्पा स्थित है। पारम्परिक गोम्पाओं की तरह चटख सुनहरे और लाल रंग से सजे इस बौद्ध मंदिर में शाक्य मुनि बुद्ध की प्रतिमा विराजमान है। गोम्पा की बाहरी दीवार पर तिब्बत में 1987 से 1989 के बीच चीनी कार्रवाई में मारे गए नागरिकों के नाम लिखे हुए हैं। दरअसल मनाली का मुख्य आकर्षण रोहतांग दर्रा ही है। ज्यादातर लोग रोहतांग दर्रा की वजह से यहां आते हैं। यहां पर अक्तूबर से फरवरी के मध्य बर्फ पड़ती है। रोहतांग से लेह का राष्ट्रीय राजमार्ग भी छह महीने के लिए बन्द कर दिया जाता है, क्योंकि यहां मौसम पल-पल बदलता रहता है। बर्फ का लुत्फ उठाने के लिए सैलानी यहां पर आते हैं। गिरती हुई बर्फ को देख कर सैलानियों का मन आकाश की ऊंचाइयों को छूने लगता है।

एडवेंचर/ट्रेकिंग

मनाली न केवल प्राकृतिक दृश्यों के कारण पर्यटकों को बांधे रखने में सक्षम है, बल्कि यहां उपलब्ध एडवेंचर टूरिज्म के कारण बार-बार यहां आने का मन करता है। एक ओर हिमाचल प्रदेश पर्यटन विभाग लर्जी, कटरैन तथा कसौल में मछली के शिकार की सुविधा देता है तो वहीं रोहतांग-ला में आप माउन्टेन बाइकिंग का मजा ले सकते हैं। मई से मध्य जून, सितम्बर से मध्य अक्तूबर तक व्यास नदी में राफ्टिंग का लुफ्त लिया जा सकता है। अगर आप अधिक रोमांच चाहते हैं तो मनाली के उत्तर में सोलांग नल्ला बाहें पसारे आपका स्वागत करता है। यहां पर पर्वतारोहण, ट्रैकिंग के लिए भी ढेर सारी जगहें हैं।

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर जिलाधीश ने जिला में पटाखों की बिक्री व इस्तेमाल पर लगाई रोक

ग्रीन पटाखों को छोडकर सभी प्रकार के पटाखों के निर्माण, बिक्री और उपयोग पर रहेगा प्रतिबंध

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। जिलाधीश विक्रम सिंह ने सीएक्यूएम द्वारा जिला फरीदाबाद में सुप्रीम कोर्ट व एनजीटी के प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए व पटाखें जलाने पर प्रतिबंध लगाने के लिए फरीदाबाद जिला में पटाखों के भंडारण, बिक्री व इस्तेमाल (ग्रीन पटाखों को छोडकर) पर रोक लगाने के आदेश जारी किए है। जारी आदेशों में फ्लिपकार्ट, अमेजन आदि ई- कॉमर्स कंपनियां पटाखों के किसी भी ऑनलाइन ऑर्डर को स्वीकार नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं। जिलाधीश विक्रम सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा सँहिता की धारा 223 के आधार पर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, जिला में पटाखों के उत्पादन, भण्डारण तथा बिक्री को लेकर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम 1884 के तहत जारी किए हैं। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश में नियमों की पालना सुनिश्चित करवाने की जिम्मेदारी एसडीएम, थाना प्रभारी, नगर परिषद के अधिकारीगण, खण्ड विकास एवं पंचायत अधिकारी तथा तहसीलदार अपने-अपने कार्यक्षेत्र में

एक-दूसरे से तालमेल करके इन आदेशों को सख्ती से लागू करवाएंगे। आदेशों को लागू करने वाले सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे प्रतिदिन की पालना रिपोर्ट उपायुक्त कार्यालय में नियमित रूप से भेजेंगे। जारी आदेशों में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारियों को भी हिदायत दी गई है कि वे नियमित रूप से वायु की गुणवत्ता पर निगरानी रखेंगे। सर्वोच्च न्यायालय की हिदायतों के अनुसार जिला में कम प्रदूषण फैलाने वाले ग्रीन पटाखे ही लाइसेंस प्राप्त व्यापारियों के माध्यम से बेचे जा सकते हैं। अन्य पटाखों तथा लडियों के उत्पादन, बिक्री तथा प्रयोग पर पूर्णत: प्रतिबंध लगा दिया गया है क्योंकि इससे बहुत ज्यादा वायु तथा ध्वनि प्रदूषण होता है और ठोस कचरा संबंधी समस्याएं भी होती हैं। ये पटाखें भी केवल दीपावली पर्व के दिन रात 8 बजे से रात्रि 10 बजे तक व क्रिसमस व नववर्ष के अवसर पर भी निर्धारित समयावधि रात 11:55 से सुबह 12:30 बजे तक ही चलाने की अनुमति होगी।

जनता जनार्दन के आशीर्वाद से भाजपा ने लगाईं जीत की हैट्रिक : राजकुमार वोहरा

भाजपा की ऐतिहासिक जीत पर कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने हरियाणा में ऐतिहासिक जीत दर्ज कर जीत की हेट्रिक लगाई है, जिससे प्रदेश और जिले के सभी कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। हरियाणा की जनता जनार्दन ने भाजपा के पक्ष में मैंडेट देकर मोदी जी और नायब सिंह सैनी जी के 10 साल की नीतियों पर मुहर लगाई है और अगले 5 साल प्रदेश की जनता के नॉन स्टॉप विकास का मार्ग प्रशस्त किया है। कांग्रेस लोकसभा की तरह झूठ का नेरेटिव फैलाकर विधानसभा चुनावों मे भी वोट बटोरना चाहती थी लेकिन प्रदेश की देवतुल्य जनता ने कांग्रेस के झूठे नेरेटिव को दरकिनार कर तीसरी बार भाजपा मे फिर आस्था जताई और भाजपा की पूर्ण बहुमत की सरकार चुनी। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष राजकुमार वोहरा ने हरियाणा

के पूर्व मुख्यमंत्री एवं केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मनोहरलाल, मुख्यमंत्री नायब सिंह, केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर, भाजपा के सभी नव निर्वाचित प्रत्याशियों, कार्यकर्ताओं व प्रदेश की देवतुल्य जनता को बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की। भाजपा जिला कार्यालय अटल कमल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरियाणा के चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत पर ढोल नगाड़ों के साथ जश्न मनाया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की बधाई दी। इस अवसर पर जिला महामंत्री सुरेन्द्र जांगड़ा,मनोज वशिष्ठ, जिला उपाध्यक्ष वज़ीर सिंह डागर, पंकज पूजन रामपाल, लक्ष्मण तंवर, सुखवीर मलेरना, जिला मिडिया प्रमुख विनोद गुप्ता,प्रकाशवीर नागर, विवेक मिश्रा, मनीष छोंकर,योगेश तेवतिया, जगविंदर फोगाट,संदीप शर्मा, सचिन गुप्ता, सचिन शालीन,तरुण शर्मा,पुनीता झा, प्रिया सहगल, आभाष अग्रवाल व अन्य कार्यकार्त उपस्थित रहे। श्री वोहरा ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर के नेतृत्व में 36 बिरादरी के समर्थन व आशीर्वाद से फरीदाबाद जिले की 6 सीटों में से 5 सीटों पर भाजपा ने प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत दर्ज की है जो हमारे कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम का प्रतिफल है। भाजपा के लिए उनके कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी पूँजी हैं। जिन्होंने फरीदाबाद की सभी 6 सीटों पर गली-गली, घर-घर जाकर नायब सिंह सैनी जी के लिए जनता का आशीर्वाद माँगा है, वह सचमुच सराहनीय है।

बल्लभगढ़ में विद्यार्थियों को यातायात नियमों, साइबर अपराध, नशा मुक्ति के प्रति किया जागरूक

समाचार गेट/सुमित गोयल

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओमप्रकाश नरवाल के निर्देशानुसार, डीसीपी हेडक्वार्टर अभिषेक जोरवाल के मार्गदर्शन में सामुदायिक पुलिसिंग सेल द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, बल्लभगढ़ में विद्यार्थियों को सडक सुरक्षा और यातायात नियमों, साइबर अपराध, नशे के दुष्परिणाम के बारे में जागरूक किया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के महत्व पर जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि कैसे साइबर अपराधी अनजाने में लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं और उनसे वित्तीय या व्यक्तिगत जानकारी चुराने की कोशिश करते हैं। साथ ही, साइबर अपराध की रिपोर्टिंग के लिए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 और साइबर क्राइम पोर्टल का उपयोग कैसे किया जाए, यह भी समझाया गया। यातायात नियमों का पालन करने के महत्व पर चर्चा की गई। विद्यार्थियों को बताया गया कि सडक पर एक छोटी गलती भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। सभी को

जागरूक किया गया कि सडक पर सुरक्षित चलने और वाहन चलाने के लिए यातायात नियमों का सख्ती से पालन करना जरूरी है। घायल व्यक्तियों की मदद के लिए तुरंत डायल 112 पर संपर्क करने का भी महत्व बताया गया, ताकि समय रहते सहायता पहुँच सके और किसी की जान बचाई जा सके। सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने नशामुक्ति अभियान के तहत नशे के दुष्प्रभावों पर जोर दिया। विद्यार्थियों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक और सामाजिक नुकसान के बारे में बताया गया और दूसरों को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। सामुदायिक पुलिसिंग टीम ने सभी उपस्थितों को शपथ दिलाई कि वे नशामुक्त समाज बनाने, सडक सुरक्षा को बढ़ावा देने और अपराध मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस का साथ देंगे।

भोजपुरी फिल्म शिवानी के लिए ऑडिशन का आयोजन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। भोजपुरी फिल्म शिवानी के लिए ऑडिशन एवं बिन्दा देवी फिल्मस के बैनर तले बनने वाली फिल्म शिवानी के लिये कलाकारों के चयन हेतू ऑडिशन का आयोजन एन.एच. पांच कार्यालय में किया गया। आगामी 14 अक्टूबर से फरीदाबाद के विभिन्न स्थलों पर इस फिल्म की शूटिंग होनी है। जिसमें मशहूर भोजपुरी कलाकार काजल राघवानी, लाडो मधेशिया, अनूप अरोड़ा, नीलम पांडे, संजय वर्मा एवं गिरिश शर्मा जैसे दिग्गज कलाकार मुम्बई से आ रहे हैं। फरीदाबाद के भी कुछ कलाकारों का मौका देने हेतू से आडिशन रखा गया। कास्टिंग डायरेक्टर संजीव कुशवाहा की देख-रेख में ऑडिशन आयोजित किया गया। इस अवसर पर निर्माता रणबीर सिंह, राजदेव सिंह, मामेन्द्र कुमार, राकेश भाटिया के अलावा त्रिवेणी बाबू, हृदय नारायण सिंह, राजेश शर्मा, विक्की भारद्वाज सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वैष्णो देवी मंदिर में हुई मां कात्यानी की भव्य पूजा

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। महारानी वैष्णो देवी मॉदिर में छठे नवरात्रि पर मां कात्यानी की भव्य पूजा अर्चना की गई। मॉदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने प्रात: कालीन पूजा का शुभारंभ करवाया। मॉदिर में आने वाले भक्तों ने मां कात्यानी की पूजा अर्चना में हिस्सा लिया। इस अवसर पर मॉदिर में कई विदेशी श्रद्धालुओं ने भी माता रानी के दर्शन किए और पूजा अर्चना में हिस्सा लिया। मॉदिर संस्थान के प्रधान ने सभी विदेशी श्रद्धालुओं को माता की चुनरी और प्रसाद दिया। यह श्रद्धालु ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जर्मनी और फ्रांस से आए थे मॉदिर संस्थान के प्रधान जगदीश भाटिया ने आए हुए श्रद्धालुओं को मां कात्यानी की महिमा से अवगत करवाते हुए बताया कि मां दुर्गा का छठा स्वरुप है मां कात्यायनी, नवरात्रि के छठे दिन इन्हीं की पूजा की जाती है। मां कात्यायनी का जन्म ऋषि कात्यायन के घर हुआ था इसलिए इनका नाम कात्यायनी पड़ा। मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति को काम, मोक्ष, धर्म और अर्थ इन चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है। श्री भाटिया के अनुसार नवरात्रि के छठे दिन की पूजा विधि, मां कात्यायनी का भोग, मंत्र और उनकी आरती की जाती है। मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं। मां कात्यायनी अपने भक्तों के सभी पाप हर लेती हैं। साथ ही मां कात्यायनी की पूजा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है। मां के जन्म की तो विश्वप्रसिद्ध ऋषि कात्यायन ने मां भगवती की उपसना की और कठिन तपस्या की। जब मां भगवती ने उन्हें दर्शन दिए तो उन्होंने मां भगवती से वरदान मांगा की उनके घर पुत्र का जन्म हो। इसके बाद मां भगवती ने स्वंय उनके घर में जन्म लिया। इसलिए उनका नाम कात्यायनी पड़ा। इतना ही नहीं गोपियों ने भी भगवान कृष्ण को पति रुप में पाने के लिए मां कात्यायनी की पूजा अर्चना की थी।

श्रीनगर से कन्याकुमारी तक साइकिल पर नशा मुक्ति का सन्देश लेकर निकले 70 वर्षीय रघुवीर सिंह का किया अभिनन्दन

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, प्रयास, प्रेरणा और रोटी बैंक ने किया प्रोत्साहित

समाचार गेट ब्यूरो

कुरुक्षेत्र। नशा मुक्ति के लिए गठित प्रयास फाउंडेशन, पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यरत प्रेरणा समिति हरियाणा और रोटी बैंक द्वारा श्रीनगर से कन्याकुमारी तक नशे के विरुद्ध एक साईकिल पर निकले 70 वर्षीय यात्री रघुवीर सिंह का यूथ हास्टल पीपली के प्रांगण में स्वागत किया गया। धावक रघुवीर सिंह मंगलवार की रात्रि को कुरुक्षेत्र पहुंचे और उन्होंने हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा से संपर्क साधा और उनको पीपली में ठहराया गया। आज प्रात:: पीपली यूथ हास्टल के प्रांगण में हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा, प्रयास फाउंडेशन के प्रधान नरेश सैनी, प्रेरणा समिति हरियाणा की प्रधान राजकुमारी पंवार और रोटी बैंक के वरिष्ठ उप प्रधान कर्म चंद और प्रयास, रोटी एवं प्रेरणा समिति के सदस्य प्रदीप गर्ग ने मिलकर नशे के विरुद्ध सन्देश लेकर चले रघुवीर सिंह का शाल उढ़ाकर अभिनन्दन किया। धावक एवं साइकिल यात्री रघुवीर सिंह ने अपने सन्देश में कहा कि उन्होंने जीवन में कोई नशा नहीं किया और वे इस आयु में भी साइकिल चलाकर लोगों को नशे से दूर रहने का सन्देश दे रहे हैं। उन्होंने हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के अभियान की जानकारी लेते हुए कहा कि वे इस सन्देश को जन जन तक पहुंचाएंगे। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने रघुवीर सिंह का अभिनन्दन करते हुए कहा कि हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो का लक्ष्य नशा मुक्त हरियाणा है और इसके लिए ब्यूरो के प्रमुख श्री ओपी सिंह साहब एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार साहब के निर्देशन में नशा मुक्ति के विरुद्ध कार्यक्रम हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जागरूकता अभियान के लिए साइकिल के साधन का प्रयोग करना और भी उत्तम कार्य है क्योंकि यह स्वास्थ्य के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण के लिए अति आवश्यक है। प्रयास फाउंडेशन के प्रधान नरेश सैनी ने कहा कि यह एक बहुत ही अच्छा प्रयास है। प्रधान राजकुमारी पंवार ने कहा कि युवाओं को इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए।

सांस्कृतिक विरासत हैं हमारे पर्व-त्योहार, इन्हें धूमधाम से मनाएं : डॉ. रवि हाण्डा

आईएमटी में हुआ डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन

समाचार गेट ब्यूरो

फरीदाबाद। सेक्टर 86 स्थित प्रबंधन एवं तकनीकी संस्थान (आई एम टी) में संस्थान के सांस्कृतिक प्रकोष्ठ द्वारा डांडिया उत्सव का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारम्भ माँ दुर्गा के समक्ष संस्थान के निदेशक डॉ. रवि हान्डा ने दीप प्रज्वलित कर के किए। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ. रवि हान्डा ने अपने संबोधन में कहा कि शैक्षणिक संस्थानों में सांस्कृतिक विरासत में मिले पर्व-त्योहारों को धूमधाम से मनाया जाना चाहिए, उन पर विस्तृत चर्चा की जानी चाहिए जिससे युवा पीढ़ी अपने

जीवन चरित्र में इनका अनुकरण कर सकें।

इस अवसर पर आई एम टी के अतिरिक्त आई एल आर, सेन्ट पीटर कॉलेज तथा विभिन्न सोसाइटीज की महिलाएँ तथा लड़कियाँ विशेष रूप से हिस्सेदार बनीं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में अव्वल रही प्रतिभागियों को डॉ. रवि हान्डा ने पुरस्कृत किया। इस अवसर पर संस्थान के प्राध्यापक, कर्मचारी तथा छात्राएँ विशेष रूप से उपस्थित हुए।

संपादकीय

हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार

हरियाणा की चुनावी परीक्षा में बीजेपी जहां 48 सीटें जीतकर पास हो गई, वहीं कांग्रेस को उम्मीदों से कम सीटें महज 37 मिलीं। वहीं, इंडियन नेशनल लोक दल को मात्र 2 सीटें मिलीं, जबकि 3 सीटें निर्दलीय प्रत्याशी जीत ले गए।सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सूबे में सत्ताधारी पार्टियों के बी टीम के रूप में काम कर रहीं आम आदमी पार्टी, जननायक जनता पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, आजाद समाज पार्टी आदि को बेहद खराब अंक मिले। हां, इन्होंने राज्य में कांग्रेस के बढ़ते ग्राफ को थामने में भाजपा की अंदरखाने से मदद की, ताकि भविष्य में कोई भी मजबूत विपक्षी दल उन्हें नजरअंदाज नहीं कर सके। इस अप्रत्याशित चुनाव परिणाम से जहां भाजपा की बांछें खिल गईं, वहीं कांग्रेस के सियासी हौसले लगातार तीसरी बार पस्त पड़ गए। इस बार तो वह जीती हुई बाजी हार गई। इससे यह साबित हो गया कि अब वह पूरी तरह से परजीवी पार्टी बन गई है। क्योंकि हरियाणा में भी अकेले थी तो हार गई। यही वजह है कि हरियाणा में भाजपा की जीत से ज्यादा कांग्रेस की हार और तीसरे-चौथे मोर्चे के जार-जार होने की चर्चा हर ओर छिड़ी हुई है।

नरवीर यादव
कार्यकारी संपादक

देखा जाए तो हरियाणा में कांग्रेस को शिकस्त देकर भाजपा ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया कि चुनावी रणनीति बनाने में उसके रणनीतिकारों की कोई तोड़ नहीं। हां, इतना जरूर है कि जब कभी भी और जहां कहीं भी वह हारती है तो अपनों की भीतरघात की वजह से और जहां कहीं भी ताल ठोंक कर जीतती है तो आरएसएस के वरदहस्त और अपने कार्यकर्ताओं के अतिउत्साह के चलते, जो हिंदुत्व और राष्ट्रवाद के प्रति पूरी तरह से समर्पित रहते हैं। और अब जिस तरह से प्रधानमंत्री पीएम नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस को अंतरराष्ट्रीय साजिश का हिस्सा करार दिया है, वह भी उसपर भारी पड़ने वाला है। जिस तरह से भारत के लोकतंत्र, अर्थतंत्र और सामाजिक तानेबाने को कमजोर करने की अंतर्राष्ट्रीय साजिशें हो रही हैं, उसके मुताल्लिक पीएम मोदी की बातों में दम है। निःसन्देह कांग्रेस उसी मुस्लिम लीग की टू कॉपी बनती जा रही है, जिसके प्रतिरोध स्वरूप उसने राष्ट्र विभाजन तक को स्वीकार किया था।

हरियाणा के मामले में चुनावी पॉंडित जिस तरह से गच्चा खा गए, उससे फिर यह बात स्पष्ट हो गई कि राजनीति में दो जोड़ दो बराबर चार समझने की भूल कभी नहीं करनी चाहिए और जो ऐसा करते हैं, सियासत के हाशिये पर चले जाते हैं हुड्डा-शैलजा सरीखे अन्य क्षेत्रीय नेताओं की तरह! जानकारों के मुताबिक, हरियाणा में हैट्रिक लगाते हुए भाजपा वहां तीसरी बार अपनी सरकार बनाएगी। आम चुनाव 2024 में कांग्रेस गठबंधन को मिली तात्कालिक अप्रत्याशित सफलता की बात यदि छोड़ भी दी जाए तो हाल के वर्षों में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उड़ीसा, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, असम, गुजरात आदि के बाद हरियाणा भी एक ऐसा राज्य बन चुका है, जहां पर बीजेपी ने अपने मजबूत चुनावी प्रबंधन से विरोधी पार्टियों के मंसूबे ध्वस्त कर दिए। वहीं, बिहार, पश्चिम बंगाल, जम्मूकश्मीर जैसे राज्यों में भी उसकी स्थिति सुधरी है।

हरियाणा में जबरदस्त एंटी इनकंबेंसी के बावजूद बीजेपी का तीसरा बार जीतना बहुत मायने रखता है। क्योंकि उसकी जीत अब इस बात को स्पष्ट करती है कि एससी-ओबीसी मतदाताओं को खींचने में कामयाब रही। भले ही चुनाव नतीजों से पहले एग्जिट पोल में कांग्रेस की जीत की भविष्यवाणी की गई थी और यहां तक कहा गया था कि किसान, जवान और पहलवान बीजेपी से नाराज हैं। इसलिए उससे सत्ता छिन जाएगी, लेकिन मुख्यमंत्री सैनी के आत्मविश्वास के चलते जो असल नतीजे आए, उससे कहानी बिल्कुल पलट गई है। गीता की धरती पर सत्य की जीत हुई। कुरुक्षेत्र वाले भूभाग में कौरवों सरीखी कांग्रेस हार गई।

बीजेपी ने गत लोकसभा चुनाव से सबक लेते हुए गैर जाट मतदाताओं को गोलबंद करने का काम किया और अपनी रणनीति में वह कामयाब हो गई। खासकर एससी और ओबीसी समुदाय से आने वाले मतदाताओं पर उसने फोकस किया और उनको अपनी तरफ खींचने में कामयाब रही। वहीं, चुनाव से ठीक पहले बीजेपी की सीएम बदलने वाली रणनीति भी गुजरात की तरह ही कामयाब रही। क्योंकि नायब सिंह सैनी, ओबीसी समुदाय से आते हैं, जिनको सीएम बनाने से ओबीसी मतदाताओं के बीच एक सकारात्मक संदेश गया। वहीं, ओबीसी रणनीतिकार दिलीप मंडल को मलाईदार पद देने के बाद उनके समर्थकों ने भी कमल खिलाने का काम किया।

भले ही हरियाणा में जाट मतदाताओं का वोट बैंक बहुत बड़ा है जिनके समर्थन पर कांग्रेस काफी निर्भर रही है, लेकिन उनमें भी दरार डालने में भाजपा सफल रही। जाट मतदाता कितने शक्तिशाली हैं, इसका अंदाजा इस बात से मिलता है कि राज्य में जाट समुदाय से आने वाले मुख्यमंत्री लगभग 33 साल तक शासन कर चुके हैं। हालांकि, वर्ष 2014 में, जब बीजेपी सत्ता में आई तो कांग्रेस के भूपिंदर सिंह हुड्डा को जाना पड़ा, जो जाट समाज से ही आते हैं। क्योंकि बीजेपी ने तब मनोहर लाल खट्टर को सीएम बनाया जो एक पंजाबी खत्री समुदाय से सम्बन्धित हैं। जब 2019 में बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई, तो उसने जेजेपी नेता दुष्यंत चौटाला का समर्थन लिया था, जो एक महत्वपूर्ण जाट नेता हैं।

बीजेपी के लिए यह जीत इस मायने में भी महत्वपूर्ण है कि उसके खिलाफ यहां तगड़ी एंटी इनकंबेंसी लहर थी। जिससे पार्टी भी वाकिफ थी। इसलिये अंतिम समय में पार्टी ने नेतृत्व परिवर्तन किया और मनोहर लाल खट्टर की जगह नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया। वहीं, राज्य बीजेपी अध्यक्ष मोहन लाल बडोली और पूर्व सांसद संजय भाटिया जैसे वरिष्ठ नेताओं तक को विधानसभा चुनावों से दूर रखने का फैसला उनकी रजामंदी से किया। क्योंकि गत लोकसभा चुनावों में पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था। 2024 के आम चुनावों में, बीजेपी ने 10 में से सिर्फ 5 लोकसभा सीटें जीतीं और महज 46.1 प्रतिशत वोट हासिल किए, जबकि कांग्रेस ने बाकी सीटें छीन लीं और 43.7 प्रतिशत वोट प्राप्त किए। जबकि 2019 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी का वोट शेयर 58 प्रतिशत था, जो अब 12 प्रतिशत घटकर 46.1 प्रतिशत रह गया। हालांकि विधानसभा चुनाव के आंकड़े अब बिलकुल अलग तस्वीर पेश करते हैं, जिससे भाजपा को भी सुकून मिली है।

22 विद्यार्थियों को मिली 10 लाख रुपए की केबीआई सफलता स्कॉलरशिप

समाचार गेट/ज्योति खंडेलवाल

पलवल। श्री विश्वकर्मा कौशल विश्वविद्यालय के 22 विद्यार्थियों को केबीआई सफलता स्कॉलरशिप मिली है। कनोर ब्रेमसे द्वारा दी गई इस स्कॉलरशिप में विद्यार्थियों पर कुल 10 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. राज नेहरू एवं कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा की उपस्थिति में कनोर ब्रेमसे की सीएसआर हेड रूपाली अग्रवाल ने विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप वितरित की। इस अवसर कुलपति डॉ. राज नेहरू ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि इतनी प्रतिष्ठित स्कॉलरशिप प्राप्त करना अपने आप में गौरव की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों से खूब मेहनत करने और नवाचारी बनने का आह्वान किया। कुलपति डॉ. राज नेहरू ने कहा कि नवाचार के माध्यम से ही हम 2047 तक विकसित भारत बना सकते हैं। हर विद्यार्थी नया और सकारात्मक करे, ताकि उनके व्यक्तित्व का विकास हो और वह देश के विकास में भूमिका निभा सके।

कुलसचिव प्रोफेसर ज्योति राणा ने कहा कि सभी विद्यार्थियों का आगे बढ़ने में यह स्कॉलरशिप बहुत महत्वपूर्ण है। उनके रास्ते में कोई वित्तीय बाधा नहीं आने दी जाएगी। प्रोफेसर ज्योति राणा ने विद्यार्थियों को एंटरप्रेन्योरशिप अपनाने के लिए भी प्रेरित किया। कनोर ब्रेमसे की सीएसआर हेड रूपाली अग्रवाल ने कहा कि सीएसआर पर पैसा खर्च करना उतना महत्वपूर्ण नहीं है, जितना महत्वपूर्ण उसका उद्देश्य है। हम अच्छे उद्देश्य के लिए पैसा खर्च कर रहे हैं। रूपाली अग्रवाल ने कहा कि केवल एक वर्ष के लिए नहीं, बल्कि हम पूरे कोर्स के लिए विद्यार्थियों को यह छात्रवृति प्रदान करेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों के सामने टेक्निकल गाइडेंस और मेंटरशिप की पेशकश भी रखी।

अकादमिक अधिष्ठाता प्रोफेसर आर एस राठौड़ ने कहा कि शिक्षा पर खर्च किया गया यह धन इन विद्यार्थियों का भविष्य बनाएगा। प्रोफेसर राठौड़ ने इसके लिए कनोर ब्रेमसे का आभार ज्ञापित किया। डीन प्रोफेसर ऋषिपाल ने कार्यक्रम में उपस्थित प्रकाश इंडस्ट्रीज के एमडी विक्रम अग्रवाल के साथ तकनीकी प्रशिक्षण पर चर्चा की। स्कॉलरशिप पाने वालों में प्रिया, गीतांजलि, विक्रमादित्य, उत्तम, अनुज शर्मा, आयुष शर्मा, पावन कोशिश, कुणाल, दीपांशी, अंजू खत्री, कृष्ण बेनीवाल, सौरव, शिवम, रोहित, रिया, प्रिया, मयंक, काव्य, कशिश शर्मा, जय कुमार और अमन के नाम शामिल हैं। इस मौके पर डीन प्रोफेसर कुलवंत सिंह, डीन प्रोफेसर ऊषा बत्रा, प्रोफेसर ए के वातल और डिप्टी डायरेक्ट अमीष अमेय भी उपस्थित थे। सहायक उप निदेशक विनोद भारद्वाज ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने हरेंद्र सिंह रामरतन की जीत पर लोगों को बधाई देकर शहर में लड्डू बांटे

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश में प्रचंड जीत और होडल विधानसभा सीट से हरेंद्र सिंह रामरतन द्वारा कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष उदयभान को हराकर जीत हासिल करने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए शहर के मुख्य बाजार में लोगों को बधाई देते हुए लड्डू बांटे। आज सुबह से ही भाजपा कार्यकर्ता पूर्व पार्षद व भाजपा नेता मोहित कालड़ा उर्फ मोनू के कार्यालय पर एकत्रित हुए और ढोल बजा कर भाजपा से नवनिर्वाचित विधायक हरेंद्र सिंह रामरतन के पक्ष में नारे बाजी कर सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी। इसके बाद सभी कार्यकर्ताओं ने एक जुट होकर ढोल बजाकर शहर के लोगों बधाई देने शहर के मुख्य बाजार में पहुंचे। सभी कार्यकर्ताओं ने शहर के लोगों को लड्डू बांटकर बधाई दी। कार्यक्रम में नव निर्वाचित विधायक हरेंद्र सिंह रामरतन के भाई, कृष्ण कुमार रामरतन,भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष जवाहर सिंह सोरोत, शेर सिंह आर्य, होडल मंडल अध्यक्ष प्रेमराज तंवर औरंगाबाद मंडल अध्यक्ष जगवीर चौहान, मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन जगमोहन गोयल, भाजपा नेता रामेश्वर शर्मा, जिला सचिव सुनील कुमार ठेकेदार, सोनू गुप्ता, हरिओम तिवारी, उत्तम भारद्वाज, लखन पार्षद, त्रिलोक राविया, महावीर जैन, मनोज सोरोत आदि अनेक भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

वित्त मंत्री जेपी दलाल नहीं तोड़ पाए मिथक हरियाणा में वित्तमंत्रियों की हार का सिलसिला है जारी

कांग्रेस प्रत्याशी भाई राजबीर फरटिया की 833 वोटों से हुई जीत दर्ज

समाचार गेट/सोनिका सूरा

सिवानी। हरियाणा विधानसभा चुनाव में 1966 से आज तक मौजूदा वित्त मंत्री चुनाव नही जीते हैं ।2024 विधानसभा चुनाव में भी यही परंपरा कायम रही। जानकारी के अनुसार इस बार हल्का लोहारू में बम्पर वोटिंग हुई थी और यहां करीब 1 लाख 64 हजार मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया, जिसकी काऊंटिंग मंगलवार को भिवानी स्थित शिक्षा बोर्ड के भवन में करवाई गई। जिसमें बेहद कड़े मुकाबले में कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार राजबीर फरटिया को 833 वोटो से जीत हासिल हुई। कांग्रेसी उम्मीदवार राजबीर फरटिया बेहद ही कटि की टक्कर के मुकाबले में पहले दोपहर करीब 4 बजे विजयी घोषित किए गए और उनकी विजय होने की घोषणा के साथ ही सिवानी स्थित उनके कार्यालय में कांग्रेसी कार्यकर्ता एकत्रित हुए और उन्होंने हाथों में कांग्रेस पार्टी का झंडा लेकर शहर के बीचों-बीच विजयी जुलूस निकाला। इस दौरान उन्होंने एक दूसरे को जमकर बधाईयां दी। वहीं जैसे ही उन्हें दोबारा से रिकाऊंटिंग होने की सूचना विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से मिली तो वे तुरंत भिवानी स्थित मतगणना केंद्र पर पहुंचना शुरू हो गए। मंगलवार देर सायं करीब 8 बजे राजबीर फरटिया को जब दोबारा से विजयी घोषित किया गया तो विभिन्न गांवों मे दोबारा से जश्न मनाया गया। इस बारे में कांग्रेसी कार्यकर्ता हल्का अध्यक्ष धर्मवीर दुहन,सुभाष जाखड़,प्रवीण जांगड़ा,रजनीश पुनिया,सुरेश सुरा, सांवरमल बंसल,सुनील जांगड़ा, रवि श्योराण आदि ने बताया कि राजबीर फरटिया ने हल्का लोहारू में जो कार्य अपने स्तर पर किए थे उसी का परिणाम है कि आज वे हल्का लोहारू के विधायक बन पाए हैं। उन्होंने उनकी जीत पर बधाईयां दी हैं।

प्रदेश में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने पर वक्फ बोर्ड मुख्यालय अंबाला में मिठाईयां बांटकर खुशियां मनाईं

चौधरी ज़ाकिर हुसैन ने सभी प्रदेशवादियों को मुबारकबाद दी

समाचार गेट/अनिल मोहनियां

नूंह। बुधवार को अंबाला स्थित वक्फ़ बोर्ड मुख्यालय व सरकारी आवास पर हरियाणा वक्फ़ बोर्ड के प्रशासक व भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक व वक्फ़ बोर्ड के अधिकारियों ने हरियाणा में लगातार प्रचंड बहुमत से यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा की लोकप्रिय सरकार बनने पर मिठाईयाँ बाँटकर खुशियाँ मनाई व एक-दूसरे को बधाई दी।

ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि यह भाजपा के सभी कर्मठ, मेहनती कार्यकर्ताओं की जीत है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी द्वारा किए गए विकास कार्यों और लाभकारी योजनाओं की बदौलत संभव हो पाया है। प्रदेश में फिर से एक बार यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और प्रदेश विकास के नए आयाम स्थापित करेगा। देश के ऊर्जा मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल व यशस्वी मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में मेवात क्षेत्र का बहुत विकास हुआ है तथा आगे भी इसी तरह से विकास व युवाओं के रोजगार के लिए कोई कसर नहीं रहेगी।

उल्लेखनीय है कि कल चौधरी ज़ाकिर हुसैन पूर्व विधायक ने अपनी धर्मपत्नी श्रीमती नसीमा हुसैन के साथ नई दिल्ली में ऊर्जा मंत्री व पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में उनके निवास पर मुलाकात कर उन्हें बधाई दी थी। मनोहर लाल ने कहा था कि मेवात क्षेत्र का विकास करने में भाजपा ने पहले भी कोई कसर नहीं छोड़ी थी और आगे भी मेवात क्षेत्र के विकास विशेषत: स्वास्थ्य , शिक्षा, पेयजल, सिंचाई के लिए पानी व युवाओं को रोजगार दिलाया जाएगा।

महेश्वरी माता मंदिर महासर में आयोजित नवरात्र मेले में दूर-दराज से पंहुच रहे श्रद्धालु

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली मार्ग पर स्थित गढ़ी महासर शक्तिपीठ महेश्वरी, दुर्गा माता मॉंदर में आयोजित नवरात्रि मेले में दूर-दराज से श्रधालु पंहुच रहे हैं। रात्रों के समय मॉंदर रंग-बिरंगी लाईटों से जगमग हो रहा है। मॉंदर के व्यवस्थापक लालचंद,कैलाश चंद व सुंदरलाल ने बताया कि धाम में नवरात्र के उपलक्ष में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने लगी है। माता महेश्वरी की कुलदेवी के रूप में पूजा अर्चना की जाती है। प्रदेश के विभिन्न हिस्सों के अलावा यहां पर दूर-दराज से श्रद्धालु आते हैं। उनकी सुविधा के लिए मॉंदर कमेटी भंडारे का आयोजन किया गया है। श्रद्धालुओं के लिए समुचित व्यवस्था की गई हैं। संजय शास्त्री ने बताया कि मेले के दौरान मॉंदर प्रांगण में नवजात शिशु का मुंडन संस्कार तथा नवविवाहित जोड़े की पूजा का विधान है। कमेटी व पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मॉंदर प्रांगण में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं वहीं अस्थाई पुलिस चैकी संचालित की गई है। चिकित्सकों की टीम भी तैनात की गई हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए मतदान करने निकला भोजावास का व्यक्ति हुआ लापता

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना खंड के गांव भोजावास में घर से मतदान करने करने के लिए निकला 33 वर्षीय व्यक्ति लापता हो गया। जिसका आज तक कोई सुराग नहीं लगा है। इस बारे में विष्णुदत ने कनीना सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में कहा कि उसका भाई आनंद कुमार शनिवार, 5 अक्टूबर को विधान सभा चुनाव के लिए मतदान करने के लिए घर से निकला था, जो मंगलवार तक घर पर नहीं लौटा। इस दौरान परिजनों ने उनके सभी संभावित ठिकानों पर तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

बाबा जिंदा की पूजा कर लौटे रहे व्यक्ति की सडक हादसे में मौत

समाचार गेट/सुनील दीक्षित

कनीना। कनीना-अटेली मार्ग पर पडताल गांव के पास घटित सडक हादसे में बाईक चालक की मौत हो गई। इस बारे में पडताल निवासी सुभाष ने कनीना सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके भाई बिरेंद्र सिंह ने गांव के बस स्टैंड पर टायर पैंचर की दुकान कर रखी है। सांय करीब साढे 7 बजे वह अपने दोस्त की बाईक लेकर जिंदा बाबा के स्थान पर पूजा-अर्चना कर वापिस लौट रहा था तो पीछे से तेज गति से आ रही कार ने उनकी बाईक को टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा देखकर वहां पर भीड एकत्रित हो गई। घायल को उप नागरिक अस्पताल कनीना दाखिल कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के आरोपी कार चालक की पहचान राजेंद वासी नांगल जमालपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने कार चालक के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर शव का पंचनामा करवा परिजनों को सौंप दिया।

नन्हें-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सुंदर झांकियों के माध्यम से रामलीला का प्रदर्शन किया

समाचार गेट/हरिओम भारद्वाज

होडल। उड़ान प्ले पब्लिक स्कूल द्वारा रामलीला के चित्रण का वर्णन करते हुए विधायक के नन्हे मुन्ने बच्चों ने सुंदर झाँकियों के माध्यम से प्रदर्शित किया। कार्यक्रम में बच्चों ने रामलीला के दृश्यों में गुरुकुल में शिक्षा ग्रहण करते हुए, केवल द्वारा नदी पार करते हुए, राम-सीता का दरबार, सबरी द्वारा बेर चखकर रामचंद्र जी को खिलाते हुए तथा पुष्पक विमान पर रामचंद्र जी व सीता जी सवार होकर जाते हुए बेहद ही मनमोहक झाँकियां प्रस्तुत किया। विद्यालय के चेयरमैन डॉ जितेन्द्र कुमार मित्तल ने बताया कि दशहरा हमारे हिन्दू धर्म में बहुत ही महान पर्व है। दशहरा से पहले शहरों व गांवों में रामलीला का आयोजन किया जाता है। इसी क्रम में विद्यालय के नन्हें मुन्ने बच्चों द्वारा श्री राम चन्द्र जी की लीला का वर्णन कराया गया ताकि छोटे बच्चों में भी श्री राम चन्द्र जी के चरित्र और उनके सच्चाई एवं मर्यादाओं को अपने जीवन में धारण कर सकें। बच्चों को बताया गया कि सदैव बुराई पर अच्छाई की जीत होती है इस लिए बुरी बातों से दूर रहकर अच्छी बातों को गृहण करें। विद्यालय की प्रधानाचार्या चीना मित्तल ने बताया कि यह छोटे बच्चों का स्कूल है। छोटे बच्चों को जीवन के जिस मोड़ की ओर ले जाना है उसी ओर अग्रसर हो जातें हैं। इसलिए बच्चों को देश की संस्कृति परंपरा सनातन धर्म अध्यात्म के साथ साथ अच्छी संस्कार देने का प्रयास रहता है। हम चाहते हैं बच्चों में शिक्षा के साथ अच्छे संस्कार का समावेश हो ताकि बड़े होकर जिस स्कूल में जाएं तो बच्चों के साथ उनके परिजनों का भी मान सम्मान बढे। इस अवसर पर विद्यालय की उपप्रधानाचार्य खुशबू अध्यापिका हेमलता, सावित्री, नेहा, तशु, तनु, निशा, चंचल, एवं मान्या भी मौजूद रहीं।

लुधियाना में बाबा के खिलाफ मामला दर्ज... किशोर के साथ अश्लील हरकत

-3 से 4 बच्चों के साथ किया कुकर्म

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना में गुरुद्वारा नानकसर ठाठ साहिब में कीर्तन करने वाले एक बाबा के खिलाफ पुलिस ने केस दर्ज किया है। बाबा पर आरोप है कि एक किशोर के साथ अश्लील हरकतें की है। पुलिस ने उक्त आरोपी बाबा जरनैल सिंह जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया है। पुलिस बाबा से कड़ी पूछताछ कर रही है, ताकि पता चल सके कि आज तक और कितने लोगों के साथ गंदा काम किया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी जस्सी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि मैं छठी कक्षा तक पढ़ा हूं। 3 साल पहले जस्सी बाबा गांव काउंके कलां मुझे कमरे में प्रसाद देने के बहाने ले गया। वहां बाबा ने मेरे कपड़े उतार कर गलत हरकतें करनी शुरू कर दी। पीड़ित ने कहा कि जस्सी मेरे गुप्तांगों से छेड़छाड़ करने लगा। इतना ही नहीं बाबा ने वीडियो भी बनाई। बाबा ने धमकी दी की यदि उसने किसी को इस घटना के बारे बताया, तब वह उसकी वीडियो वायरल कर देगा। आज अपनी मां को उसने सारी बात बताई। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बाबा जस्सी की दो वीडियो सामने आई है। वीडियो में जस्सी बाबा ने बच्चे के साथ शारीरिक संबंध बनाए हैं। शारीरिक संबंध भी इस तरह से बनाए जो कि किसी को दिखा भी नहीं सकते। जब अपने स्तर पर जांच की और पता चला कि बाबा ने किसी एक बच्चे के साथ ऐसा नहीं किया बल्कि 3 से 4 बच्चों के साथ कुकर्म हुआ है।

दूसरे दलों के भरोसे चलने वाली पार्टी बन गई कांग्रेस : गुप्ता

जम्मू । जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव परिणाम आने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। चुनाव में एनसी को 42 सीटें, वहीं कांग्रेस महज 6 सीट जीतने में कामयाब रही। बुधवार को भाजपा के वरिष्ठ नेता कविंदर गुप्ता ने चुनाव में कांग्रेस के प्रदर्शन पर चुटकी लेकर कहा कि कांग्रेस को अपनी मोहब्बत की दुकान पर शटर लगा देना चाहिए। कांग्रेस के एक प्रत्याशी ने राजौरी में कुछ हजार वोटों से जीत हासिल की। कांग्रेस बस एनसी के कंधे पर चलने वाली पार्टी बनकर रह गई है। इनके दिग्गज नेताओं की चुनाव में बुरी हालत देखने को मिली है। उन्होंने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत है, इस कारण सरकार नेशनल कॉन्फ्रेंस की बनेगी। अगर वे विकास के एजेंडे के साथ आगे बढ़ते हैं और जम्मू-कश्मीर की बेहतरी के लिए काम करते हैं, तब यह फायदेमंद होगा। जम्मू-कश्मीर में जो शांति व्यवस्था बनी है, उस शांति को कायम रखने का काम सरकार करती है, तब संभावित है कि सभी लोग का सरकार को समर्थन मिलेगा। गुप्ता ने कहा, 10 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर में कई विकास कार्य हुए हैं। आज एम्स, केंद्रीय विश्वविद्यालय, आईआईटी, रिंग रोड, रेलवे लाइन और मेडिकल कॉलेज बने। आगामी सरकार अगर इसी राह पर चलती है, तब यह सभी के लिए बेहतर होगा। मैं सलाह दूंगा कि कश्मीर में जिनकी भी सरकार रही, जम्मू के साथ दूसरे दर्जे का भेदभाव करती रही, वह अब सहनीय नहीं होगा। इसलिए अगर सरकार बराबर का काम करेगी, तब अच्छा होगा। उमर ने हरियाणा चुनाव पर सवाल उठाए। इस पर भाजपा नेता गुप्ता ने कहा, चुनाव आयोग पर सवाल खड़े करना गलत है। यहां इनकी जीत हुई है, ये सभी ने स्वीकार किया है।

मणिपुर में उद्योग धंधे ठप्प, मणिपुर नहीं रहा स्मार्ट शहर, हिंसा के बाद दोनों समुदाय भुखमरी के शिकार

इंफाल। इंफाल में पिछले कई महीनो से हिंसा फैली हुई है। इस हिंसा में दोनों समुदाय के लाखों लोग भुखमरी और बेरोजगारी के शिकार हो गए हैं। 2015 में इंफाल को स्मार्ट शहर का दर्जा मिला था। अब स्मार्ट सिटी जैसा कहीं देखने को नहीं मिल रहा है। मणिपुर राज्य में छोटे उद्योगों और हैंडीक्राफ्ट का एक बड़ा जाल बिछा हुआ था। जो पूरी तरह से समाप्त हो चुका है। हिंसा के बाद से सब कुछ बंद पड़ा हुआ है। राज्य चेंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा जो जानकारी निकल कर सामने आई है। उसके अनुसार मणिपुर राज्य की अर्थव्यवस्था में अभी तक 40000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो चुका है। मणिपुर में 25 फीसदी से अधिक महंगाई बढ़ गई है। इंफाल की 40 फीसदी दुकाने बंद पड़ी हुई हैं। बड़े और लघु उद्योग लगभग लगभग समाप्त हो चुके हैं। मणिपुर राज्य से अन्य राज्यों में 80 फीसदी से ज्यादा सामान जाता था। जो विदेशों में भी निर्यात होता था। वह कारोबार पूरी तरह से बंद हो गया है। मणिपुर राज्य की अर्थव्यवस्था खत्म हो जाने के कारण, बैंको में एनपीए के मामले कई गुना बढ़ गए हैं। हजारों लोग अभी भी शिविरों में रह रहे हैं। दोनों पक्षों के बीच लगातार हिंसा होने से, मणिपुर राज्य के कारोबार बंद हो जाने से, अब लोगों के पास जीवन यापन करने के लिए भी पैसे नही रहे। जिसके कारण भुखमरी और महंगाई से यहां के लोग त्रस्त हो चुके हैं। यहां के कारोबारी भारी कर्ज में डूबे हुए हैं। ऐसी स्थिति में दिनों दिन मणिपुर की हालत खराब होती चली जा रही है। यदि यही हालत रही तो यह सीमावर्ती राज्य भारत के लिए कई चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

महोबा मे 63 लाख के अवैध गांजा के साथ दबोचे गए दो तस्कर

महोबा। उत्तर प्रदेश मे महोबा जिले के कबरई क्षेत्र मे पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स और नारकोटिक्स टीम ने एक संयुक्त कार्यवाही मे करीब 63 लाख रूपये कीमत के अवैध गांजा के साथ मादक पदार्थों के अंतर्राजयीय तस्कर गिरोह के दो तस्करो को गिरफ्तार किया गया है. अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह ने बताया की एक गोपनीय सूचना पर एस टी एफ और नारकोटिक्स टीम ने कबरई के बांदा तिराहा मे वाहनो की चेकिंग करते हुये एक कटेनर ए।हृ1अष्ट 7986 को पकड़ा. जिसकी जांच पड़ताल मे भारी मात्रा मे गांजा बरामद किया गया. तस्करो द्वारा कटेनर मे खुफिया तरीके से वैल्डिंग द्वारा तैयार कराये गए एक बॉक्स मे छिपा कर यह गांजा आंध्रप्रदेश के विशाखा पटनम से तस्करी करके लाया जा रहा था.सयुंक्त टीम द्वारा बरामद दो कुंतल 51 किलो ग्राम वजन के गांजा की कीमत 62.75 लाख रूपये है.

भाजपा नेताओं को कई गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था फिर भाजपा कैसे जीत गई: शिवसेना

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा में भाजपा और उसके नेताओं की स्थिति बहुत खराब थी। लोगों में भारी गुस्सा था। इनकी हालत इतनी खराब थी कि कई गांवों में उन्हें घुसने नहीं दिया। फिर भाजपा कैसे जीत गई है? ये सवाल शिवसेना के उद्धव गुट ने कांग्रेस की हार पर उठाए हैं। पार्टी ने निशाने साधते हुए इसे अति आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी का परिणाम बताया। सामना के संपादकीय में लिखा गया है, हरियाणा में कांग्रेस की हार की वजह फाजिल आत्मविश्वास और स्थानीय नेताओं की नाफरमानी है। ऐसा माहौल था कि भाजपा के मंत्रियों और उम्मीदवारों को गांवों में घुसने नहीं दिया जा रहा था, फिर भी परिणाम कांग्रेस के खिलाफ गए। शिवसेना ने भूपेंद्र हुड्डा की भूमिका पर भी सवाल उठाया है, यह पूछते हुए कि क्या उन्होंने कांग्रेस की नैया डुबो दी। संपादकीय में हुड्डा और कुमारी शैलजा के बीच के विवाद को भी हार का बड़ा कारण बताया गया है। सामना ने कहा कि हुड्डा और उनके समर्थकों ने कुमारी शैलजा का सार्वजनिक अपमान किया, और कांग्रेस आलाकमान उनकी इस नाफरमानी को रोकने में विफल रहा। शिवसेना का मानना है कि हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र में नहीं होगा, लेकिन उसने कांग्रेस को सलाह दी है कि वह हरियाणा वाली गलतियाँ न दोहराए। सामना में कहा गया है, महाराष्ट्र की जनता हरियाणा की राह पर नहीं जाएगी और महाविकास आघाड़ी की जीत होगी। महाराष्ट्र की राजनीति में महाविकास गठबंधन की स्थिति मजबूत दिखाई दे रही है, जबकि कांग्रेस नेताओं को हरियाणा के नतीजों से सीख लेने की जरूरत है। शिवसेना का कहना है कि कांग्रेस ने 'आप' समेत कई घटकों को दूर रखा, जिससे पार्टी को सत्ता में हिस्सेदारी नहीं मिली और अंततः हरियाणा में सत्ता हाथ से निकल गई। इस प्रकार, हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस के लिए एक बड़ा सबक दिया है, जिससे वह आगामी चुनावों में रणनीति और गठबंधन की दिशा में सोचने को मजबूर होगी। बता दें कि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनावों के नतीजे आ गए हैं, जिनमें हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी की लगातार तीसरी जीत हुई है। इस जीत ने कांग्रेस के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं, विशेष रूप से हरियाणा में, जहां भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अगुवाई में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। जम्मू-कश्मीर में हालांकि कांग्रेस ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन में रहने के कारण सत्ता का कुछ सुख भोगने की संभावना दिखाई है। लेकिन हरियाणा में मिली हार ने पार्टी की स्थिति को कमजोर कर दिया है।

मानसून की विदाई होते-होते बारिश ने फिर दी दस्तक, 25 राज्यों में अलर्ट जारी

नई दिल्ली। देश से मानसून की विदाई के चलते बारिश ने एक बार फिर दस्तक दे दी है। मौसम विभाग ने मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ समेत 25 राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी कर दिया है। मध्य प्रदेश के 21 जिलों से मानसून अभी विदा नहीं हुआ है। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश की संभावना जताई जा रही है। 12 अक्टूबर के बाद मानसून लौट जाएगा। राजस्थान में मंगलवार को कई जिलों में बादल छाने के साथ तेज हवा भी चली। जैसलमेर में दोपहर बाद 2मिमी बारिश हुई। चूरू में दोपहर बाद तेज हवाओं के साथ बारिश ने गर्मी से राहत दिलाई। छत्तीसगढ़ के रायपुर में भी मंगलवार को तेज बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक 18 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के कारण मौसम में बदलाव आया है। दूसरी तरफ, नेपाल में हुई भारी बारिश ने बिहार में बीते दिनों 30 जिलों में बाढ़ की स्थिति पैदा कर दी। गंडक, गंगा, कोसी जैसी नदियां उफान लगीं। अब नदियों का जलस्तर घट रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य से अगले 4 से 5 दिनों में मानसून पूरी तरह से खत्म होगा। मध्य प्रदेश के दक्षिणी और पूर्वी हिस्से में अगले तीन दिन गरज-चमक के आसार हैं। यहां अगले कुछ दिनों से बूंदाबांदी हो रही है। अगले 24 घंटे में छिंदवाड़ा, सिवनी, मंडला, डिंडौरी और अनूपपुर में हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, उज्जैन में आसमान साफ रहेगा। 12 अक्टूबर के बाद से बारिश का दौर खत्म हो सकता है।

हरियाणा-जम्मू में चला योगी का जादू, जहां-जहां किया प्रचार, खिल गया कमल

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता ने हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में हालिया विधानसभा चुनावों में भी अपना प्रभाव दिखाया है। उनकी रैलियों की मांग हमेशा बनी रही और उम्मीदवारों के बीच उनकी उपस्थिति जीत की पक्की गारंटी मानी जाती है। योगी ने हरियाणा में 14 रैलियां और जम्मू में 4 रैलियां की थी। जम्मू में उन्होंने जिन विधानसभा क्षेत्रों में प्रचार किया, वहां बीजेपी ने जीत हासिल की।

हरियाणा में भी एंटी-इन्कंबेंसी माहौल के बावजूद योगी की रैलियों ने बीजेपी को 14 में से 9 सीटें जीतने में मदद की। क्योंकि पार्टी को पिछले दस सालों में सत्ता के खिलाफ जनता की नाराजगी का सामना करना पड़ा था। योगी की रैलियों में उमड़ने वाली भीड़ और उनका बोलने का अंदाज चुनावी नतीजों में सीधे तौर पर परिवर्तित होता है। उनकी लोकप्रियता के चलते बीजेपी ने दोनों राज्यों में उनकी रैलियों को एक प्रमुख रणनीति का हिस्सा बनाया था।

इन चुनावों के परिणाम ने यह साबित कर दिया कि सीएम योगी, पीएम मोदी के बाद, बीजेपी के सबसे लोकप्रिय चेहरे हैं। उनके प्रभावी प्रचार से न केवल बीजेपी की स्थिति मजबूत हुई, बल्कि उन्होंने पार्टी की जीत तय करने में भी अहम भूमिका निभाई है। इस प्रकार योगी की रैलियों की सफलता ने साबित किया है कि उनकी रणनीतियां अन्य राज्यों के चुनावों में भी बीजेपी के लिए फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

हरियाणा चुनाव का असर महाराष्ट्र, झारखंड में होने वाले चुनावों पर दिखेगा

-6 राज्यों की 28 सीटों पर भी होना है उपचुनाव, दशहरा बाद हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस का गठबंधन 15 साल बाद सरकार बनाने जा रहा है। वहीं हरियाणा में बीजेपी तीसरी बार सत्ता में वापसी कर रही है। हरियाणा के गठन के बाद से अब तक कोई पार्टी लगातार तीसरी बार सरकार नहीं बना सकी है। हरियाणा जीत से पार्टी को बूस्ट मिला है, जिसका असर अगले तीन महीने में होने वाले महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव में भी दिखाई दे सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा का कार्यकाल 26 नवंबर 2024 और झारखंड का 5 जनवरी, 2025 को खत्म हो रहा है। चुनाव आयोग दशहरे के बाद महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान कर सकता है साथ ही 6 राज्यों की 28 सीटों पर उपचुनाव का ऐलान भी हो सकता है।

महाराष्ट्र में महायुति यानी शिवसेना, बीजेपी और एनसीपी अजित गुट की सरकार है। एंटी इन्कंबेंसी और छह बड़ी पार्टियों के बीच बंटने वाले वोट को साधना पार्टी के लिए बड़ी चुनौती होगी। 2024 लोकसभा चुनाव में महाराष्ट्र की 48 सीटों में इंडिया गठबंधन को 30 और एनडीए को 17 सीटें मिली थीं। इनमें बीजेपी को 9, शिवसेना को 7 और एनसीपी को 1 सीट हासिल हुई थी। बीजेपी को 23 सीटों का नुकसान हुआ था। 2019 लोकसभा चुनाव से एनडीए को 41 सीटें मिली थीं। 2014 में यह आंकड़ा 42 था। यानी आधे से भी कम।

विपक्षी गठबंधन के एक सर्वे में राज्य की 288 सीटों पर एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी को 160 सीटें मिलने का अनुमान है। बीजेपी के लिए मराठा आंदोलन सबसे बड़ी चुनौती है। इसके अलावा शिवसेना और एनसीपी में तोड़फोड़ के बाद उद्धव ठाकरे और शरद पवार के साथ लोगों की सिंपथी है।

झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) के नेतृत्व वाली सरकार है। इसमें कांग्रेस, राजद और वाम दल शामिल हैं। बीजेपी को झारखंड में सरकार बनाने के लिए संथाल परगना और कोल्हान प्रमंडल की 32 सीटों पर फोकस करना होगा। संथाल परगना की 18 विधानसभा सीटों में से सिर्फ तीन सीटें बीजेपी के पास हैं। पिछले चुनाव में कोल्हान प्रमंडल की 14 विधानसभा सीटों पर तो बीजेपी का खाता भी नहीं खुल पाया। जमशेदपुर पूर्वी से तत्कालीन सीएम रघुवर दास को भी हार का सामना करना पड़ा।

जनवरी में भ्रष्टाचार के मामले में सीएम पद से इस्तीफा देकर हेमंत सोरेन को जेल जाना पड़ा। हालांकि, जमानत मिलने के बाद वे बाहर आए और चंपई सोरेन से 156 दिन में सीएम का पद वापस ले लिया। इसके बाद चंपई बीजेपी में शामिल हो गए। झारखंड आंदोलन में शिबू सोरेन के साथी रहे चंपई को कोल्हान टाइगर भी कहा जाता है।

यूपी में 10, राजस्थान में 6, पंजाब में 5, बिहार में 4, मध्य प्रदेश में 2 और छत्तीसगढ़ में एक सीट पर उपचुनाव होना है। इनमें से पंजाब छोड़कर सभी जगह बीजेपी सत्ता में है। लिहाजा एंटी इन्कम्बेंसी फैक्टर से लड़ने के साथ उम्मीदवार का लोकल कनेक्ट ही चुनाव नतीजे तय करेगा। चुनाव लिस्ट में अगला नाम दिल्ली का है, जहां विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी 2025 को खत्म होगा। दिल्ली में पिछले 10 साल से आम आदमी पार्टी सत्ता में है। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल नवंबर में चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं।

दलित ने मजदूरी मांगी तो मुंह पर थूका और शरीर पर कर दी पेशाब

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार में दलितों पर अत्याचार नहीं थम रहे हैं। यहां कभी उनके घर फूंके जा रहे हैं तो कभी उन्हें पीटा जा रहा है। इसी तरह की बीते रोज एक और घटना बोचहां थाना क्षेत्र के एक गांव में दलित मजदूरों ने अपनी मजदूरी के पैसे मांगे तो दबंगों ने उन्हें जमकर पीटा। जमीन पर पटक दिया और उनके मुंह पर थूका और पेशाब कर दी। पीड़ित ने मंगलवार देर रात रमेश पटेल, अरुण पटेल व गौरव पटेल को आरोपित करते हुए थाने में आवेदन दिया। थानाध्यक्ष राकेश कुमार यादव ने बताया कि आवेदन के आधार पर तीन लोगों पर प्राथमिकी की गई है। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है। पीड़ित ने पुलिस को दिए आवेदन में कहा है कि आरोपितों ने हाल में ही पोल्ट्री फार्म बनाया है। इसमें उसने कई दिनों तक काम किया। दो दिन की उसकी मजदूरी रोक ली गई। मजदूरी मांगने गया तो रमेश पटेल, अरुण पटेल व गौरव पटेल ने मारपीट की। दलित शब्द का प्रयोग करते हुए पिटाई के साथ सभी ने उसके मुंह पर थूक दिया। आरोपित गौरव पटेल ने उसके शरीर पर पेशाब की। आरोपितों ने केस करने या थाने पर शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। डर के कारण वह कई दिनों तक घर से नहीं निकला। मारपीट करते हुए किसी ने घटना का वीडियो बना लिया था। घटना का वीडियो इंटरनेट पर प्रसारित होने के बाद किसी तरह थाने पहुंचकर शिकायत की।

मोतीपुर में महादलित बस्ती में दबंगों का हमला, झोपड़ी फूंकी

मोतीपुर में शेरा बरजी महादलित टोले में मंगलवार की रात दरवाजे पर गाली-गलौच के विरोध पर लाठी-डंडे से लैस दबंगों ने हमला कर दो महिलाएं समेत दर्जनभर से अधिक लोगों की पिटाई कर दी। यही नहीं, हमलावरों ने झोपड़ी में आग लगा दी। छोटे-छोटे बच्चों को भी बख्शा नहीं। पुलिस ने सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। घायलों में पुनदेव राम, सरिता देवी, सुमित्रा देवी, लालू राम, करण कुमार, मोहन राम, विजय राम, दशरथ राम, सुजीत कुमार (11), मंजीत कुमार (6) अभिषेक कुमार (5), रंजीत (10), सुजीत (8), अभिषेक (6) शामिल है। घायल पुण्यदेव राम ने पुलिस को बताया कि रात में गांव के ही दो युवक दरवाजे पर आकर गाली-गलौच करने लगे। दोनों नशे में थे। इसका विरोध करने पर दोनों चले गए। कुछ देर बाद करीब 20-25 की संख्या में लाठी-डंडे लेकर आए लोगों ने हमला कर दिया। छोटे-छोटे बच्चों की भी पिटाई कर दी। थानाध्यक्ष राजन कुमार पांडे ने बताया कि पुलिस मौके पर गई थी। सभी घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। पुलिस गांव में कैंप कर रही है। इस दौरान कई घरों से मोबाइल भी लूट लिया। दोनों कई बार चोरी व शराब के मामले में जेल भी जा चुका है। जाते समय लालू राम के झोपड़ीनुमा घर को आग के हवाले कर दिया। इससे घर में रखा सारा सामान जल गया। धमकाया कि थाने में केस दर्ज किया तो सभी को जान से मार दूंगा।

बेंगलुरु मर्डर केस: रॉय नहीं मारता तो महालक्ष्मी कर देती हत्या

बेंगलुरु (एजेंसी)। कुछ ही दिनों पहले बेंगलुरु में महालक्ष्मी नाम की महिला की हत्या हुई थी। उसके शव के कई दर्जन टुकड़े किए गए और उसे फ्रीज में भर दिया गया। इस केस में आरोपी मुक्ति रंजन रॉय ने आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में जांच और आत्महत्या नोट से जो जानकारियां सामने आ रही हैं वो काफी चौंकाने वाली हैं। नोट में लिखा था, महालक्ष्मी का मकसद मुझे मारने के बाद मेरे शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर, उन्हें सूटकेस में रखना और बाद में फेंकने का था। अगर मैं उसे नहीं मारता, तो वो मुझे मार देती और शव को ठिकाने लगा देती। मैंने उसे सेल्फ डिफेंस में मारा था। रॉय ने नोट में यह भी दावा किया है कि महिला उस पर लगातार शादी का दबाव बना रही थी। साथ ही उसकी मांगें पूरी नहीं होने पर उसके साथ मारपीट भी करती थी।

रिपोर्ट के अनुसार, रॉय ने नोट में स्वीकार किया था कि उसने 2-3 सितंबर की रात महिला की गला घोंट कर हत्या की थी। आगे कहा गया है कि उसने अगली सुबह बाजार से एक धारदार हथियार खरीदा और बॉथरूम में शव के टुकड़े-टुकड़े कर उन्हें फ्रिज में रख दिया। रिपोर्ट में नोट के हवाले से बताया गया है कि इसके बाद रॉय ने ओडिशा भागने से पहले बॉथरूम को एसिड से साफ किया था। नोट में यह भी दावा किया जा रहा है कि महिला उसे मारना चाहती थी और शव को ठिकाने लगाने के लिए काला सूटकेस भी खरीदा था। रिपोर्ट के अनुसार, महालक्ष्मी के घर पर फ्रिज के पास एक काला सूटकेस भी बरामद हुआ था। पुलिस रॉय की लोकेशन ट्रेस करते हुए ओडिशा को भद्रक पहुंची थी। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से पहले ही आरोपी ने आत्महत्या कर ली थी। तब शव के पास एक नोट बरामद हुआ था, जिसमें रॉय ने महालक्ष्मी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए थे। खबरें हैं कि आरोपी ने महिला की हत्या के बाद उसके 50 से ज्यादा टुकड़े कर दिए थे। फिलहाल, पुलिस का कहना है कि इस मामले में जल्द ही चार्जशीट दाखिल की जाएगी। जिस हथियार से रॉय ने वारदात को अंजाम दिया, उसका पता नहीं लग सका है। रिपोर्ट का कहना है कि एक छोटी सी दुकान चलाने वाली महिला को जब रॉय की तस्वीर दिखाई गई, तो उसने पहचान कर ली है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में भी मायावती के हाथ आयी निराशा, वोट प्रतिशत और गिरा

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के बाद अब हरियाणा में भी बहुजन समाज पार्टी को भारी निराशा हाथ लगी है। हरियाणा विधानसभा चुनाव में इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) से गठबंधन किया था, लेकिन उसका यह दांव काम नहीं आया। गठबंधन के बावजूद बसपा यहां एक भी सीट नहीं जीत सकी और वोट प्रतिशत में भी बड़ी गिरावट आई है। बसपा को यहां 1.82 फीसदी वोट मिले हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा का वोट प्रतिशत 4.21 था।

बसपा का काफी पहले से हरियाणा में जनाधार रहा है, लेकिन 2009 के बाद से इसमें गिरावट आई है। बसपा का वोट प्रतिशत 2009 में 6.76 था जो अब गिरकर 1.82 फीसदी पर आ गया है। बसपा ने 2009 में दो और 2014 में एक सीट पर जीत हासिल की थी। इसके बाद से वह एक सीट के लिए भी तरस रही है। बसपा इस बात पर जरूर संतोष कर सकती है कि लोकसभा चुनाव 2024 में हरियाणा में उसका वोट प्रतिशत 1.28 प्रतिशत था, जो अब 1.82 फीसदी हो गया है।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में बसपा प्रमुख मायावती ने इनेलो के साथ चार संयुक्त सभाएं की थीं। इस चुनाव में उन्होंने आकाश आनंद को आगे किया था। वह भी रथ लेकर निकले और गांव-गांव चौपाल लगाई, लेकिन प्रदर्शन में कोई सुधार आने की जगह पहले से भी खराब रहा। इससे पहले लोकसभा चुनाव में भी आकाश ने सभाएं की थीं, लेकिन उनको चुनाव के बीच में ही पद से हटा दिया गया था। हरियाणा चुनाव से पहले उनको एक बार फिर अहम जिम्मेदारी दी गई, लेकिन वह कुछ करिश्मा नहीं कर सके। उधर, बसपा के साथ गठबंधन करके इनेलो को जरूर फायदा हुआ है। पिछले विधानसभा चुनाव में इनेलो को एक सीट मिली थी। इस बार उसने दो सीटों पर जीत दर्ज की है, जबकि वोट प्रतिशत में भी इजाफा हुआ है। इनेलो को पिछले लोकसभा चुनाव में 2.41 फीसदी वोट मिले थे। इस बार उसे 4.14 फीसदी वोट मिले हैं।

इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर बाजार में ताइवानी कंपनियों के लिए बंपर मौका

मुंबई ।

मोदी सरकार द्वारा एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के स्थानीय विनिर्माण पर जोर दिया जा रहा है। इस बीच, नई रिपोर्ट के अनुसार, ताइवानी कंपनियों के लिए प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में 15 अरब डॉलर के बड़े अवसर मौजूद हैं।

फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) की रिपोर्ट के मुताबिक, इलेक्ट्रिक मोटर, सीसीटीवी और स्मार्ट हेल्थकेयर (फिटनेस ट्रैकर, स्मार्टवॉच, हृदय गति मॉनिटर) जैसे अन्य क्षेत्र भी ताइवान के लिए आशाजनक हैं। भारत में ताइवान के लिए इन सभी क्षेत्रों में 60 बिलियन डॉलर का लक्षित बाजार है। ताइवान इंडस्ट्री इन क्षेत्रों में घरेलू बाजार के साथ निर्यात के लिए भी निवेश कर सकती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक पांच प्रमुख क्षेत्रों में बाजार की मांग 170 बिलियन डॉलर रहेगी। ताइवान और भारत के बीच मजबूत साझेदारी के पारस्परिक लाभ हैं। निष्कर्ष बताते हैं कि कैसे ताइवानी कंपनियां भारत के तेजी से होते विकास का लाभ उठा अपनी उच्च तकनीकी विशेषज्ञता का योगदान दे सकती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, ताइवान की तकनीकी प्रगति और भारत के बढ़ते बाजार के संयोजन से दोनों देशों के लिए एक साथ समृद्ध होने का रणनीतिक मार्ग तैयार होगा। भारत सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) और पीएलआई योजना सहित निवेश-समर्थक पहल बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक्स पर जोर के साथ ताइवानी कंपनियों के लिए भारत को एक आदर्श साझेदार बनाती है। फिक्की की रिपोर्ट में कहा गया है कि इन रणनीतिक साझेदारी की जरूरतों को पूरा करने में भारत कई दक्षिण-पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में बेहतर है। अपने लार्ज स्किल्ड वर्कफोर्स, अनुकूल कारोबारी माहौल और मजबूत सरकारी नीतियों के साथ, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, हरित ऊर्जा, ईवी, स्मार्ट शहरों और सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए एक शीर्ष गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

आरबीआई ने ब्याज दरों में नहीं किया बदलाव, 6.5 फीसदी पर बनी रहेगीं दरें

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई नें एक बार फिर राहत भरा फैसला लिया है। इससे न तो लोन की ईएमआई बढ़ेगी और न ही लोन महंगे होंगे। ये इसलिए संभव हुआ है कि आरबीआई ने 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला किया है। यह निर्णय 7 अक्टूबर से चल रही मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में लिया गया, जिसकी जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को दी। अंतिम बार फरवरी 2023 में ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। बता दें कि बैंक ने लगातार 10वीं बार ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में बताया कि आने वाली तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति काफी अच्छी रह सकती है। इस परिप्रेक्ष्य में, उन्होंने अपने आर्थिक अनुमान में इजाफा किया है। तीसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रखा गया है, जबकि पहले यह 7.2प्रतिशत था। चौथी तिमाही के लिए भी ग्रोथ का अनुमान 7.4प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पहले 7.3प्रतिशत था। वहीं, अगले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ग्रोथ का अनुमान 7.3प्रतिशत रखा गया है, जबकि पहले यह 7.2प्रतिशत था। आरबीआई ने मौजूदा वित्त वर्ष की ग्रोथ अनुमान में कोई बदलाव नहीं करते हुए 7.2प्रतिशत पर कायम रखा है। दूसरी ओर, दूसरी तिमाही के ग्रोथ अनुमान को 7.2प्रतिशत से घटाकर 7प्रतिशत कर दिया गया है। आरबीआई ने महामारी के दौरान मार्च 2020 से अक्टूबर 2020 तक ब्याज दरों में दो बार 0.40प्रतिशत की कटौती की थी। इसके बाद अगली 10 बैठकों में, सेंट्रल बैंक ने 5 बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की, चार बार कोई बदलाव नहीं किया और एक बार अगस्त 2022 में 0.50 प्रतिशत की कटौती की। इससे पहले, 18 सितंबर को अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों में 0.5 प्रतिशत की कटौती की थी। चार साल बाद की गई इस कटौती के बाद, अमेरिका की ब्याज दरें 4.75प्रतिशत से 5.25प्रतिशत के बीच हो गईं। अमेरिका की आर्थिक स्थिति का असर दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ता है। हालांकि, देश के नागरिकों ने **RBI** से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें लगाई थीं, खासकर जब जुलाई और अगस्त के महंगाई के आंकड़े 4प्रतिशत से नीचे आए थे। लेकिन, विशेषज्ञों का मानना है कि इस वित्त वर्ष में आरबीआई रेपो रेट में कोई कटौती नहीं करेगा। यह संकेत भी है कि आने वाले समय में, जब तक जियो-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती रहेंगी, आरबीआई सतर्कता बरतेगा। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि यह जरूरी नहीं है कि सभी सेंट्रल बैंक एक जैसा निर्णय लें, क्योंकि भारत की भूगोल और जनसांख्यिकी अन्य देशों से भिन्न है।

नौ नए दिग्गज लार्जकैप शेयर मिडकैप श्रेणी में शामिल होंगे

अदाणी टोटाल गैस, श्री सीमेंट, यूबीआई, मैनकाइंड और आईडीबीआई बैंक आदि होंगे शामिल

नई दिल्ली ।

एम्फी हर साल जनवरी के शुरू में और जुलाई में इस सूची में संशोधन करता है। शेयरों के पिछले 6 महीने के प्रदर्शन के आधार पर उनकी श्रेणी में बदलाव किया जाता है। पिछले 6 महीने के दौरान औसत बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष-100 कंपनियां लार्जकैप, उसके बाद की 150 कंपनियां मिडकैप, जबकि शेष को स्मॉलकैप के तौर पर वर्गीकृत किया जाता है। इन कंपनियों के टॉप 100 की सूची में शामिल होने से नौ मौजूदा लार्जकैप शेयर मिडकैप श्रेणी में चले जाएंगे। संभावित स्थानांतरण में अदाणी टोटाल गैस, श्री सीमेंट, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मैनकाइंड फार्मा और आईडीबीआई बैंक आदि शामिल हैं। लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप श्रेणियों में शेयरों के वर्गीकरण से फंड प्रबंधकों को लेबल के प्रति ईमानदार बने रहने में मदद मिलती है। इक्विटी एमएफ श्रेणियों ने लार्जकैप, मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में निवेश के अनुपात पर सीमाएं तय की हैं। जिन स्मॉलकैप शेयरों के मिडकैप श्रेणी में शामिल होने की संभावना है, उनमें जीई टीऐंडडी इंडिया, 360 वन डब्ल्यूएएम, आदित्य बिड़ला फैशन ऐंड रिटेल, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट ऐंड फाइनैंस कंपनी और इमामी मुख्य रूप से शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार हाल में सूचीबद्ध हुए तीन नए शेयरों- प्रीमियर एनर्जीज, ओला इलेक्ट्रिक और ब्रेनबीज सॉल्यूशंस को भी मिडकैप सूची में जगह मिलने की संभावना है। दिलचस्प बात यह है कि यदि भारतीय इक्विटी में इस वर्ष अब तक दर्ज की गई वृद्धि जारी रहती है, तो जनवरी 2025 में नई समीक्षा के बाद लार्जकैप के रूप में शेयरों के लिए कट-ऑफ यानी पात्रता संबंधित सीमा लगभग 1 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

लार्जकैप सूची में प्रवेश के लिए एमकैप संबंधित कट-ऑफ जनवरी 2020 में 25,587 करोड़ रुपये पर थी, जो जुलाई 2024 तक बढ़कर 84,000 करोड़ रुपये के पार पहुंच गई। मिडकैप के मामले में यह सीमा समान अवधि के दौरान तीन गुना से ज्यादा बढ़कर 27,560 करोड़ रुपये हो गई। मौजूदा समय में कई मिडकैप आकार में लार्जकैप के तुलना योग्य हैं, जबकि बड़े स्मॉलकैप अब मिडकैप के तौर पर श्रेणीबद्ध हो रहे हैं। लार्जकैप के लिए बढ़ते कट-ऑफ के कारण लार्जकैप श्रेणी में शेयरों की संख्या मौजूदा 100 से बढ़ाने की जरूरत है।

नई स्पोर्ट्स कार बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस की कीमत है 1.89 करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

लग्जरी कार निर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू ने अपनी नई स्पोर्ट्स कार बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस को भारतीय बाजार में लॉन्च कर दिया है। इस नई कार की एक्स-शोरूम कीमत 1.89 करोड़ रुपये रखी गई है। एम4 सीएस को और तेज बनाने के लिए इसमें कई मैकेनिकल बदलाव किए गए हैं।यह बीएमडब्ल्यू की पहली सीएस मॉडल कार है जिसे भारत में लॉन्च किया गया है। इसमें पुरानी एम4 जैसा 3.0-लीटर ट्विन-टर्बो स्ट्रेट-सिक्स इंजन दिया गया है, जो 550 एचपी की पावर और 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है। यह कार 0-100 किमी/घंटे की रफ्तार महज 3.4 सेकंड में पकड़ सकती है और इसकी टॉप स्पीड 302 किमी/घंटा है। बीएमडब्ल्यू एम4 सीएस में 14.9 इंच का टचस्क्रीन, 12.3 इंच का डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और बीएमडब्ल्यू ऑपरेटिंग सिस्टम 8.5 दिया गया है। यह कार उन्नत तकनीक और सुरक्षा फीचर्स के साथ पेश की गई है, जो इसे भारतीय बाजार में एक प्रीमियम विकल्प बनाती है।कार के फीचर्स में कार्बन बकेट सीट, 6 एयरबैग, एबीएस के साथ बेक असिस्ट, डायनेमिक स्टेबिलिटी कंट्रोल

(डीएससी), इलेक्ट्रोमैकेनिकल पार्किंग ब्रेक, इसोफिक्स चाइल्ड सीट माउंटिंग, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम और साइड-इम्पैक्ट प्रोटेक्शन शामिल हैं।

आरबीआई गर्वनर ने यूपीआई को लेकर किए दो ऐलान....आपका काम होगा आसान

मुंबई ।

यूपीआई की बढ़ती लोकप्रियता और इस बढ़ावा देने के मकसद से भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 से बढ़ाकर 5,000 रुपये और प्रति लेन-देन सीमा बढ़ाकर 1,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा पेश कर कहा कि लगातार नवोन्मेष और स्वीकार्यता के साथ यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आसान और बेहतर किया है। उन्होंने कहा, इसके उपयोग को और प्रोत्साहित करने को लेकर यूपीआई भुगतान में प्रति लेनदेन सीमा 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये करने का प्रस्ताव किया है। साथ ही यूपीआई वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये से बढ़ाकर 5,000 करने और प्रति लेन-देन की सीमा को 1,000 रुपये करने का निर्णय किया गया है। वर्तमान में यूपीआई लाइट वॉलेट की सीमा 2,000 रुपये और प्रति लेन-देन 500 रुपये है। आरबीआई के बयान के अनुसार, ऑफलाइन डिजिटल माध्यम से छोटे मूल्य के भुगतान की सुविधा के लिए यूपीआई लाइट से जुड़ी रिजर्व बैंक की रूपरेखा में उपयुक्त संशोधन किया जाएगा। इसके अलावा,

'यूपीआई 123 पे' की सुविधा अब 12 भाषाओं में उपलब्ध होगी। इसके साथ, एनईएफटी (नेशनल इलेक्ट्रॉनिक कोष अंतरण) और आरटीजीएस (रियल टाइम ग्रास सेटलमेंट सिस्टम) में कोष अंतरण को अंतिम रूप देने से पहले यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) की तरह खाताधारक के नाम के सत्यापन की सुविधा मिलेगी। वर्तमान में, यूपीआई और आईएमपीएस (तत्काल भुगतान सेवा) के तहत पैसा भेजने से पहले भेजने वाले को प्राप्तकर्ता (लाभार्थी) के नाम को सत्यापित करने की सुविधा मिलती है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में आया बदलाव

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में गिरावट दर्ज की गयी है। वहीं इसका असर भारतीय बाजार पर भी पड़ा है। कुछ जगहों पर दाम कम हुए हैं जबकि कुछ में बढ़े हैं। कर्नाटक, केरल और एमपी समेत अन्य प्रदेशों में पेट्रोल-डीजल के दाम घटे हैं। वहीं, असम, बिहार, छत्तीसगढ़ और गोवा समेत कुछ राज्यों में भी कीमतें बढ़ी हैं। गाजियाबाद में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.75 रुपये प्रति लीटर पर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.65 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर और जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर हो गया है. चार महानगरों की बात करें तो केवल चेन्नई में पेट्रोल की कीमतें बढ़ी हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.85 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर पर मिल रहा है।

ऑटोमोबाइल कंपनी का आईपीओ आ रहा.....पैसा कमाने के लिए रहें तैयार

मुंबई । भारत में अब तक के सबसे बड़े पब्लिक इश्यू (आईपीओ) के आने की तारीख तय हो गई है। हुंडई मोटर इंडिया का आईपीओ दशहरे के बाद आएगा। कंपनी ने अपने पब्लिक इश्यू के लिए प्राइस बैंड सहित सभी शर्तों का ऐलान कर दिया है। हुंडई मोटर इंडिया आईपीओ के द्वारा 14.2 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री करेगी। खास बात है कि 2003 में मारुति सुजुकी के बाद भारत में सबसे बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनी की लिस्टिंग होगी।

क्या है प्राइस बैंड

हुंडई मोटर इंडिया ने आईपीओ के लिए प्रति शेयर प्राइस बैंड 1,865-1,960 रुपये है। इस इश्यू में कंपनी ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत 27,000 करोड़ से ज्यादा के शेयर की बिक्री करेगी। आईपीओ में 7 शेयरों का एक लॉट होगा यानी एक लॉट खरीदने के लिए निवेशक को 13,720 रुपये खर्च करने होगा। यह इश्यू 15 से 17 अक्टूबर तक के लिए खुलेगा। हालांकि, एंकर निवेशकों के लिए यह आईपीओ 14 अक्टूबर से ओपन हो जाएगा। हुंडई के आईपीओ में 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व होगा।

जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में गिरावट

मुंबई । देश के शीर्ष आठ शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही के दौरान आवासीय बिक्री में पांच प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक ब्रोकरेज फर्म की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट नई पेशकश में कमी और कीमतों में तेजी से है। रिपोर्ट में बताया गया कि इस अवधि में कुल 96,544 इकाइयां बेची गईं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि में बेची गई 1,01,221 इकाइयों से पांच प्रतिशत कमी आई हैं। नए आवासीय इकाइयों की पेशकश में भी कमी आई है, जो सालाना आधार पर 1,23,080 इकाइयों से घटकर 91,863 इकाई रह गई। वहीं शीर्ष आठ शहरों में मकानों की कीमतों में औसतन 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। केवल एनसीआर में बिक्री में वृद्धि हुई है, जहां बिक्री सालाना आधार पर 29 प्रतिशत बढ़कर 10,098 इकाई हो गई। हालांकि, अन्य प्रमुख शहरों में बिक्री में गिरावट देखी गई है। अहमदाबाद, बेंगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई में बिक्री में कमी आई है। मुंबई महानगर क्षेत्र में बिक्री 30,299 इकाइयों से घटकर 30,010 इकाई रह गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई । घरेलू शेयर बाजार बुधवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। आरबीआई के ब्याज दरों में बदलाव नहीं करने के फैसले से भी बाजार पर दबाव बढ़ा है। इसके अलावा दिग्गज कंपनियों रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1 फीसदी से अधिक गिरे जिससे भी बाजार पर दबाव आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 0.21 अंक करीब 167.71 अंक नीचे आकर 81,467.10 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 50 31.20 अंक तकरीब 0.12 फीसदी टूटकर 24,981.95 के स्तर पर बंद हुआ। आज चीन के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। चीन की आर्थिक इकाई ने किसी बड़े प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा नहीं की जिससे भी बाजार पर दबाव आया। इसका प्रभाव भारतीय बाजार पर भी पड़ा।

आज निफ्टी एफएमसीजी, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर में सबसे बड़ी गिरावट नजर आयी। एफएमसीजी स्टॉक्स आज 1.37 फीसदी नीचे आये। इसके अलावा, बाकी सभी सेक्टर्स आज भी लाभ पर बंद हुए। सबसे ज्यादा, 2.26 फीसदी उछाल निफ्टी रियल्टी सेक्टर में देखने को मिला। निफ्टी फार्मा के शेयर भी 2.12 फीसदी बढ़त रही। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 15 शेयर लाभ पर बंद हुए। टाटा मोटर्स के शेयर में 2.10 फीसदी की सबसे अधिक बढ़त देखी गयी। इसके अलावा, टेक महिंद्रा, एसबीआई, मारुति सुजूकी, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और एचसीएल टेक के शेयर 1 फीसदी से ज्यादा बढ़े। निफ्टी के 31 शेयरों में बढ़त रही। 2.58 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ सिप्ला आज का सबसे अधिक बढ़त वाला शेयर रहा। इसके अलावा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, एसबीआईबू, टेक महिंद्रा जैसे शेयर सबसे ऊपर रहे। सेंसेक्स और निफ्टी-50, दोनों पर सबसे अधिक नुकसान में आईटीसी का शेयर रहा। आईटीसी का शेयर 3 फीसदी से ज्यादा गिरा। इसके अलावा, सेंसेक्स पर नेस्ले इंडिया के शेयर आज -2.44 फीसदी नीचे आये ओएनजीसी रिलायंस इंडस्ट्रीज, हिंदुस्तान यूनिलिवर, ब्रिटानिया और एलएंडटी के शेयर एक फीसदी से ज्यादा गिरे।

इससे पहले आज सुबह बाजार तेजी के साथ खुला। बाजार में ये बढ़त दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली हावी होने से आई है। सुबह सेंसेक्स 167.59 अंक करीब 0.21 फीसदी ऊपर आकर 81,802.40 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी 50 43.55 अंक तकरीबन 0.17 फीसदी बढ़कर 25,056.70

पर कारोबार करता दिखा। सुबह गिफ्ट निफ्टी भी 25 अंकों की बढ़त के साथ 25,157 पर कामकाज करते दिखे। इसके अलावा एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में भी तेजी आई।

मंगलवार को अमेरिका में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए, जिससे पिछले सत्र में हुआ नुकसान कम हुआ। निवेशकों ने फिर से तकनीकी शेयरों की ओर रुख किया और अब उनका ध्यान आगामी मुद्रास्फीति के आंकड़ों और तीसरी तिमाही की आय रिपोर्ट पर लगा है। जापान का निक्केई 225 एक फीसदी बढ़ा, जबकि टॉपिक्स सूचकांक में 0.5 फीसदी की बढ़त दर्ज की गयी। हांगकांग के हैंग सेंग सूचकांक में भी बढ़त रही और ये 20,964 पर पहुंच गया। इससे पहले सूचकांक में 16 साल की सबसे बड़ी गिरावट आई थी, जिसमें यह 9.41 फीसदी नीचे आकर 20,926.79 पर बंद हुआ था।

स्पाइसजेट ने बीबीएएम के साथ सुलझाया विवाद

मुंबई । स्पाइसजेट ने विमान पट्टे पर देने वाली कंपनी बैबकॉक एंड ब्राउन एयरक्राफ्ट मैनेजमेंट (बीबीएएम) के साथ 13.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर का विवाद सुलझाने की बुधवार को घोषणा की। स्पाइसजेट ने कहा, होराइजन एविएशन 1 लिमिटेड, होराइजन II एविएशन 3 लिमिटेड और होराइजन III एविएशन 2 लिमिटेड के साथ 13.18 करोड़ डॉलर (1,107 करोड़ रुपये) का विवाद 2.25 करोड़ डॉलर में सुलझाया गया है। ये सभी पट्टेदार बीबीएएम के प्रबंधन के अधीन हैं। कंपनी ने कहा, यह समझौता स्पाइसजेट के पिछले माह पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के द्वारा 3,000 करोड़ रुपये की नई पूंजी प्राप्त करने के बाद किया। इससे स्पाइसजेट को अपना बही-खाते मजबूत करने और समग्र देनदारियों को कम करने में मदद मिली है। स्पाइसजेट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक अजय सिंह ने कहा, बीबीएएम के साथ यह समझौता हमें अपनी देनदारियों को काफी हद तक कम करने में मदद मिलेगी। क्यूआईपी के द्वारा जुटाई गई धनराशि के साथ वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करने, अपने बेड़े को बढ़ाने और अपनी सेवाओं का विस्तार करने के लिए अच्छी स्थिति में है।''

नई स्पोर्ट्स बाइक जीएसएक्स-8आर लॉन्च

नई दिल्ली। भारत में वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी ने अपनी नई स्पोर्ट्स बाइक सुजुकी जीएसएक्स-8आर लॉन्च की है। जीएसएक्स-8आर ट्रायम्फ डेटोना 660, कावासाकी निंजा 650 और अप्रिलिया आरएस660 जैसी बाइक्स को कड़ी टक्कर देगी। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 9,25,000 रुपये रखी गई है। इस बाइक में 776सीसी का पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है, जो 82पीएस की पावर और 78 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। इंजन को 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है और इसमें बाई-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर भी है, जो गियर शिफ्टिंग को आसान बनाता है। इसके ब्रेकिंग सिस्टम में 310एमएम फ्रंट डुअल डिस्क और 240एमएम रियर डिस्क शामिल है, जो बेहतर सुरक्षा और कंट्रोल प्रदान करते हैं। इसकी आधुनिक तकनीक और शानदार फीचर्स इसे भारतीय बाजार में एक मजबूत विकल्प बनाते हैं। सुजुकी जीएसएक्स-8आर में डुअल-चैनल एबीएस, ट्रैक्शन कंट्रोल, विभिन्न राइडिंग मोड्स, आसान स्टार्ट सिस्टम और लो आरपीएम असिस्ट जैसे एडवांस फीचर्स दिए गए हैं।

वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही आरआईएल के लिए कमजोर साबित होगी

चार ब्रोकरेज फर्म का अनुमान

मुंबई।

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के मामले में सितंबर 2024 में समाप्त हुई तिमाही (वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही) एक और कमजोर तिमाही साबित हो सकती है, क्योंकि रिफाइनिंग मार्जिन में गिरावट दिखी गई है। ब्रोकरेज कंपनियों आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, कोटक सिक्योरिटीज और नुवामा को इसकी आशंका है कि वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही में दर्ज किए गए लाभ में एक साल पहले के मुकाबले एक से लेकर 13 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। विश्लेषकों के उपलब्ध अनुमानों के आधार पर इस अवधि के दौरान राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है।

उपलब्ध विश्लेषक अनुमानों के आधार पर, इसी अवधि के लिए राजस्व में अधिकतम 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है। नुवामा के विश्लेषकों ने कहा कि उन्हें ओ2सी (तेल से लेकर रसायन) श्रेणी में नरमी के कारण कंपनी के समेकित एबिटा में छह प्रतिशत की गिरावट के आसार नजर आ रहे हैं। आंशिक रूप से इसकी भरपाई उपभोक्ता कारोबारों तथा तेल और गैस श्रेणी में मजबूत प्रदर्शन से की जा रही है। ब्रोकरेज कंपनी को उम्मीद है कि ओ2सी कारोबार के मामले में एबिटा एक साल पहले की तुलना में 27 प्रतिशत कम होगा। ओ2सी आरआईएल की तेल से लेकर रसायन वाली श्रेणी है। तेल से लेकर दूरसंचार तक में कारोबार करने वाला यह समूह 14 अक्टूबर को वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के अपने वित्तीय परिणामों की घोषणा करने वाला है। अगर विश्लेषकों के अनुमान सही साबित होते हैं, तो आरआईएल के समेकित शुद्ध लाभ में गिरावट वाली यह लगातार तीसरी तिमाही होगी। जून 2024 में समाप्त तिमाही में आरआईएल के समेकित लाभ में एक साल पहले की तुलना में 5.5 प्रतिशत की गिरावट आई थी। ब्लूमबर्ग की रायशुमारी में छह विश्लेषकों ने 2.39 लाख करोड़ रुपये के राजस्व का अनुमान लगाया और तीन विश्लेषकों ने 20,045 करोड़ रुपये की समायोजित शुद्ध आय का अनुमान लगाया है। आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज ने आरआईएल के सकल रिफाइनिंग मार्जिन में तिमाही आधार पर 0.8 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट का अनुमान लगाया है।

चीन को लेकर क्यों सच साबित हुईं आंशकाएं

मुंबई। चीन के शेयर बाजारों में करीब 10 दिन से जारी तेजी पर ब्रेक लग गया है। चीनी सरकार ने इकॉनमी में जान डालने के लिए बड़े प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की थी। इसके बाद भारत से विदेशी निवेशकों ने भारी बिकवाली कर चीन में पैसा लगाया था। लेकिन आशंका थी कि चीन की हवाई घोषणाओं का जमीन पर असर देखने को नहीं मिलेगा। इसमें इनवेस्को लिमिटेड, जेपी मॉर्गन एसेट मैनेजमेंट, एचएसबीसी ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग एंड वेल्थ और नोमुरा होल्डिंग्स इंक शामिल थे। आखिरकार उनकी आशंका सही साबित हुई। बुधवार को चीन के शेयर बाजार में गिरावट आई। एक हफ्ते की छुट्टी के बाद मंगलवार को जब चीन के बाजार खुले थे, तब उसमें काफी तेजी दिखाई दी थी। हालांकि हॉन्ग कॉन्ग के शेयर बाजार में गिरावट आई। सितंबर के अंत से चीनी शेयरों में तेजी आई क्योंकि शी सरकार ने आर्थिक, वित्तीय और बाजार-समर्थन उपायों की बौछार से निवेशकों के विश्वास को फिर से मजबूत किया। हैंग सेंग चाइना एंटरप्राइजेज इंडेक्स में हॉन्ग कॉन्ग में लिस्टेड चीनी शेयर शामिल हैं। हाल में इसमें 35 प्रतिशत से अधिक उछाल आई। इस बीच घरेलू शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन तेजी आई है। पिछले हफ्ते इसमें पांचों दिन गिरावट आई थी और सोमवार को भी बाजार गिरा था। मंगलवार को बाजार में तेजी लौटी और बुधवार भी यह तेजी के साथ ट्रेड कर रहा है।

आईसीसी रैंकिंग : अर्शदीप ने गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में बनाई जगह

दुबई (एजेंसी)। भारत के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह लगातार अच्छे प्रदर्शन की बदौलत बुधवार को जारी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में गेंदबाजों की सूची में शीर्ष 10 में जगह बनाते हुए आठवें पायदान पर पहुंच गए।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने पिछले रविवार को ग्वालियर में बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में 14 रन देकर तीन विकेट चटकाए थे। वह 642 रेटिंग अंकों के साथ आठ पायदान की छलांग लगाकर आठवें स्थान पर पहुंच गए। वह शीर्ष 10 में शामिल एकमात्र भारतीय गेंदबाज हैं। इंग्लैंड के आदिल राशिद सबसे छोटे प्रारूप में शीर्ष रैंकिंग वाले गेंदबाज बने हुए हैं जबकि वेस्टइंडीज के अकील हुसैन दूसरे और अफगानिस्तान के राशिद खान तीसरे स्थान पर हैं।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'ताजा रैंकिंग अपडेट में अर्शदीप को भी काफी फायदा हुआ है, बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने टी20 गेंदबाजों की अपडेट की गई सूची में आठ पायदान की छलांग लगाई है और बांग्लादेश के खिलाफ तीन विकेट लेने के बाद अपने करियर की सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है।'

बांग्लादेश के खिलाफ 16 गेंद में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 39 रन की पारी खेलने वाले हार्दिक पंड्या बल्लेबाजों की सूची में सात पायदान ऊपर चढ़कर 60वें स्थान पर पहुंच गए। इस शीर्ष भारतीय ऑलराउंडर ने 26 रन देकर एक विकेट भी चटकाया और ऑलराउंडरों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। इंग्लैंड के लियाम लिविंगस्टोन ऑलराउंडरों की सूची में शीर्ष पर हैं और नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी दूसरे स्थान पर हैं।

भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल बल्लेबाजों की सूची में एक पायदान नीचे पांचवें स्थान पर आ गए। उन्हें पाकिस्तान के बाबर आजम ने पीछे छोड़ दिया। जायसवाल बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच की श्रृंखला के लिए भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं। वाशिंगटन सुंदर ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार किया है और वह टी20 गेंदबाजों की सूची में चार पायदान ऊपर चढ़कर 35वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

भारतीय टीम की जीत का श्रेय गंभीर नहीं रोहित को दें: गावस्कर

मुम्बई (एजेंसी)। महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में जीत का श्रेय कोच गौतम गंभीर को नहीं कप्तान रोहित शर्मा को दिया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा कि रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम पिछले कुछ साल में आक्रामक रणनीति से उतरते हुए जीत दर्ज कर रही है। रोहित के इस निडर प्रयास से टीम की शैली बदल रही है।

गावस्कर ने कानपुर टेस्ट में भारत की जीत के लिए लिए गंभीर को अधिक मान्यता देने को गलत बताया है। साथ ही कहा कि ये एक प्रकार की चापलूसी है। गावस्कर ने लिखा, जबकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच मैकुलम के आने के बादद तहत इंग्लैंड की बल्लेबाजी का तरीका पूरी तरह से बदल गया, वहीं हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है कि रोहित भी इसी तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं और अपनी टीम को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित कर रहे है। गंभीर को कोचिंग दिए हुए अभी कुछ महीने ही हुए हैं, इसलिए इस रवैये को गंभीर का बताना गलत है। साथ ही कहा कि गंभीर ने शायद ही कभी इस तरह से बल्लेबाजी की हो, जैसा मैकुलम किया करते थे। अगर कोई श्रेय दिया जाना चाहिए, तो वह केवल रोहित को है और किसी और को नहीं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार इंग्लैंड के आक्रामक अंदाज के लिए बाजबॉल शब्द का प्रयोग हो रहा वह टेस्ट क्रिकेट के लिए अच्छा है। इसमें बल्लेबाज आउट होने का डर नहीं रखता और खुलकर खेलता है।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में यशस्वी के होने से भारत को पुजारा की कम नहीं खलेगी: वॉटसन

मेलबर्न (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शेन वॉटसन ने कहा है कि इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम के पास चेतेश्वर पुजारा जैसा बल्लेबाज नहीं है। वॉटसन के अनुसार इसके बाद भी भारतीय टीम को परेशानी नहीं होगी क्योंकि उसके पास यशस्वी जायसवाल जैसा युवा सलामी बल्लेबाज है। पुजारा के बारे में बात करते है, तो वह कोई गलती नहीं करते। जबकि आपने भारत के कई ऐसे बल्लेबाजों को देखा है जो काफी हद तक ऐसे ही है। जैसे कि शीर्ष क्रम के बल्लेबाज यशस्वी उन्होंने बहुत तेजी से रन बनाए है, लेकिन उन्होंने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने विपक्षी टीम को अब तक बहुत कम ऐसे मौके दिए कि वे उन्हें आउट करने में सक्षम हो पाएं। मुझे लगता है कि अगर ऐसे बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया आकर आक्रामकता के साथ खेलें और खराब गेंदों पर पर बड़े स्ट्रोक लगाये तो गेंदबाजों पर दबाव आ जाएगा। पिछले कुछ समय में भारतीय टीम लगाता बेहतर हुई है। सीमित ओवरों के बाद अब टीम टेस्ट फॉर्मेट में भी अपनी श्रेष्ठता साबित कर रही है। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पिछले दो दौरे भारत के नाम रहे, और उसमें पुजारा ने अहम भूमिका निभाई थी पर इस बार वह टीम में नहीं है। यशस्वी टीम में मुख्य बल्लेबाज की भूमिका में नजर आयेंगे। शानदार फॉर्म में चल रही भारतीय टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की रेस में अपना अभियान ऑस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के साथ समाप्त करेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। आस्ट्रेलिया के साथ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में शुरू होगी। भारत के पास ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट सीरीज जीतने वाली इस सदी की दूसरी टीम बनने का मौका होगा। भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर पिछला दो टेस्ट सीरीज जीता है और अब वह अपनी जीत की लय को आगे बढ़ना चाहेगा। हालांकि पुजारा को गैर हाजिरी में भारतीय टीम के लिए यह इतना आसान नहीं हो सकता। टीम से बाहर चल रहे पुजारा ने भारत की दोनों सीरीज जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2018-19 और 2020-21 के दौरों पर पुजारा ने 2186 गेंदों का सामना करते हुए 792 रन बनाए थे। 2018/19 सीरीज में वह सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। भारत ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी पहली टेस्ट सीरीज जीती थी।

पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद ईशान किशन की झारखंड के कप्तान के तौर पर वापसी

रांची (एजेंसी)। । भारतीय बल्लेबाज ईशान किशन की झारखंड रणजी टीम में कप्तान के रूप में वापसी हुई जिन्हें पिछले सत्र में विवादास्पद तरीके से हटने के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया गया था। दिसंबर 2022 में ऋषभ पंत की सड़क दुर्घटना के बाद भारत की सफेद गेंद वाली टीम में नियमित रूप से शामिल हुए ईशान ने पिछले साल भारत के दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान ब्रेक लिया था। ब्रेक के बाद उन्होंने बीसीसीआई के किसी भी आधिकारिक मैच में हिस्सा नहीं लिया जबकि बोर्ड ने खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट को प्राथमिकता देने पर जोर दिया था।

इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फरवरी में वापसी की और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से पहले निजी तौर पर आयोजित दीवाई पाटिल टी20 कप में खेले। इससे फ्रेंचाइजी क्रिकेट और राज्य प्रतिबद्धताओं के बीच संतुलन को लेकर बहस शुरू हो गई। घरेलू क्रिकेट से इस दौरान उनकी अनुपस्थिति ने उन्हें बीसीसीआई के 2023-24 केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर दिया। हालांकि ईशान ने घरेलू क्रिकेट में मजबूत प्रदर्शन से बीसीसीआई का ध्यान आकर्षित किया। पिछले महीने उन्होंने दलीप ट्रॉफी में भारत सी के लिए शतक जड़ा। फिर उन्होंने ईरानी कप में शेष भारत का भी प्रतिनिधित्व किया और एकमात्र पारी में 38 रन बनाए।

अब झारखंड की 16 सदस्यीय टीम के कप्तान के रूप में वह युवा टीम का नेतृत्व करने के लिए तैयार है। पिछले सत्र के कप्तान विराट सिंह उप कप्तान और कुमार कुशाग्र विकेटकीपर होंगे। झारखंड एलीट ग्रुप डी में गुवाहाटी में असम के खिलाफ अपना रणजी ट्रॉफी अभियान शुरू करेगा। पिछले सत्र में झारखंड ग्रुप ए में नीचे से तीसरे स्थान पर रहा था। उसने अपने सात मैचों में से दो जीते, दो हारे और तीन ड्रॉ किए। झारखंड की चयन

समिति के अध्यक्ष सुब्रतो दास ने 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' से कहा, ''ईशान एक अनुभवी खिलाड़ी है और उनके पास अंतरराष्ट्रीय अनुभव है। हमने युवा टीम चुनी है। सौरभ तिवारी, शाहबाज नदीम और वरुण आरोन सभी ने पिछले सत्र के बाद संन्यास ले लिया इसलिए हमें अपनी रणनीति पर फिर से विचार करना पड़ा।

जो रूट ने एलिस्टेयर कुक का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा, टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने

मुल्तान । इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट ने बुधवार को मुल्तान क्रिकेट स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन 12,473 रन बनाकर एलिस्टेयर कुक को पीछे छोड़ दिया है। रूट टेस्ट क्रिकेट में इंग्लैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। रूट ने दिन की शुरुआत पाकिस्तान की पहली पारी के 556 रनों के जवाब में 32 रन से की और इंग्लैंड के दिग्गज कुक (12472 रन) को पीछे छोड़कर सर्वकालिक टेस्ट सूची में पांचवें स्थान पर पहुंचने के लिए उन्हें सिर्फ 39 रन की जरूरत थी। उन्होंने आगे बढ़कर एक शानदार ऑन-ड्राइव खेला जो तेजी से बाउंड्री तक पहुंचा और रिकॉर्ड बनाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने सिर्फ 147 टेस्ट और 268 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कुक ने 161 टेस्ट और 291 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक रनों की सूची में रूट से आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर, रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ हैं। इससे पहले रूट ने अगस्त में श्रीलंका के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान अपना 33वां और 34वां टेस्ट शतक जड़कर कुक को पीछे छोड़ दिया था। इस तरह वे टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले इंग्लैंड के खिलाड़ी बन गए थे।

विराट को आदर्श मानते हैं नित्या पंड्या

चेन्नई । ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाने वाले भारतीय अंडर-19 टीम के खिलाड़ी नित्या पंड्या अपना आदर्श विराट कोहली को मानते हैं। नित्या के अनुसार विराट की तरह स्लेज करो और किंग की तरह बल्लेबाजी करो। नित्या ने ऑस्ट्रेलिया की अंडर19 टीम के खिलाफ दूसरे यूथ टेस्ट में 94 रन बनाये थे। नित्या की इस पारी से ही भारतीय अंडर-19 टीम ने मैच के पहले दिन ही 5 विकेट पर 316 रन बना लिए थे। नित्या ने इससे पहले यूथ टेस्ट मैच में 9 और 51 रन बनाये थे। नित्या के कोच दिग्विजय ने कहा, 'वह अपना स्वाभाविक खेल खेलता है और दबाव में नहीं आता।' वह शुरू से ही विराट से प्रभावित रहा है। उन्होंने कहा, 'मैदान पर लगातार बातें करना या स्लेज करना उसने कोहली को देखकर ही सीखा है। वह कोहली की तरह बनना चाहता है। कोहली के जैसे शॉट खेलना, आक्रामक रहना उसे सबसे अधिक पसंद है। इसलिए अगर वह मैदान पर शांत है तो समझ लीजिए कि उसके दिमाग में कुछ चल रहा होगा।'

युवराज ने की अभिषेक की खिंचाई, दिमाग का सही इस्तेमाल करें

ग्वालियर । युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा बांग्लादेश के खिलाफ पहले टी20 मैच में अच्छी शुरुआत के बाद भी बड़ी पारी नहीं खेल पाये। अभिषेक 7 गेंदों पर 16 रन बनाकर रन आउट हो गए। इससे वह बेहद निराश नजर आये। अभिषेक ने सोशल मीडिया में पोस्ट साझा कर लिखा, हर रन, हर गेंद-यह सब टीम के लिए है। इसी को लेकर पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने भी उनकी खिंचाई की है। युवराज ने लिखा कि हमें दिमाग का सही इस्तेमाल करना चाहिये। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही अभिषेक ने अपना पहला टी20 शतक लगाया था। बीसीसीआई द्वारा जारी एक वीडियो में अभिषेक ने शतक के बाद युवराज सिंह के साथ अपनी बातचीत के बारे में बताया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि जब वह शून्य पर आउट हुए थे तो युवराज बहुत खुश थे। उन्होंने कहा था, उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता क्यों, लेकिन जब मैं शून्य पर आउट हुआ तो वह बहुत खुश थे। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है। मुझे लगता है कि उन्हें मेरे परिवार की तरह ही मुझ पर बहुत गर्व होना चाहिए। युवराज और अभिषेक के बीच का रिश्ता काफी गहरा है। ये ऐसा ही है जो एक पूर्व और एक मौजूदा भारतीय क्रिकेटर के बीच होता है। अभिषेक ने एक वीडियो में कहा था, मैं उनकी वजह से इस स्तर पर खेल रहा हूं। उन्होंने मुझ पर बहुत मेहनत की है।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल पाकिस्तान में नहीं दुबई में होगा ! भारत के हिसाब से बदलेगा वेन्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन अगले साल फरवरी-मार्च में पाकिस्तान में होना है। भारतीय टीम के पाकिस्तान जाने को लेकर बीसीसीआई सचिव जय शाह ने पहले ही साफ-साफ इनकार कर दिया है और हाइब्रिड मॉडल के तहत टूर्नामेंट खेले जाने को लेकर मांग की है।

वहीं इस बीच टेलीग्राफ यूके की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारत के चैंपियंस ट्रॉफी के मैच पाकिस्तान से बाहर कराए जा सकते हैं। अगर भारतीय टीम फाइनल में जगह बनाने में कामयाब हुई तो इसे भी बाहर ही कराया जाएगा।

दरअसल, पाकिस्तान में अगले साल आयोजित होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के पाकिस्तान जाने को लेकर चर्चा काफी तेजी से हो रही है। टेलीग्राफ यूके कि रिपोर्ट के मुताबिक, अगर भारत फाइनल में पहुंचता है तो चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल लाहौर से दुबई कराया जा सकता है।

ऐसे में चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल से कुछ दिन पहले तक आयोजन वेन्यू को लेकर सस्पेंस बना रहेगा। भारत अपने मैच पाकिस्तान में नहीं खेलेगा क्योंकि कथित तौर पर पड़ोसी देशों के बीच राजनीतिक तनाव के कारण बीसीसीआई टीम भेजने को तैयार नहीं है।

अभी तेज गेंदबाजी से अधिक निरंतरता पर ध्यान दे रहे मयंक यादव

ग्वालियर । युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता जरूरी है। इसलिए वह अभी उसी पर ध्यान दे रहे है हालांकि गेंद की गति भी हमेशा से ही उनके दिमाग में रही है। मयंक ने चोट से वापसी के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के पहले ही टी 20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया था। इस तेज गेंदबाज ने कहा कि तेज गति से वह प्रभावित रहे हैं पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में फिटनेस बनाये रखने के लिए अभी वह सिर्फ निरंतरता पर ध्यान दे रहे हैं। इस साल आईपीएल में 150 किलोमीटर प्रति घंटा से अधिक की गति से गेंदबाजी कर रिकार्ड बनाने वाले इस गेंदबाज ने अपनी गति से बांग्लादेश के बल्लेबाजों पर अंकुश लगा दिया था। उनका पहला ओवर मेडन रहा। उन्होंने अपने चार ओवर 14 डॉट गेंद डाली और 21 रन देकर एक विकेट हासिल किया। मयंक ने कहा, 'मैं डेब्यू को लेकर उत्साहित था पर थोड़ा घबराया भी हुआ था। इसका कारण है कि पिछले कुछ समय में मुझे प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेलने के अधिक अवसर नहीं मिले थे और अचानक ही मुझे भारतीय टीम से बुलावा आ गया। मुझे मौका मिला। मैं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण कर रहा था इसलिए थोड़ा घबराया हुआ था। आईपीएल में लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए खेलते हुए लगातार दो मैचों में मैन ऑफ द मैच रहे मयंक को पैट की मांसपेशियों में खिचाव के कारण बाहर होना पड़ा था। मयंक जानते है कि उन्हें पहचान तेज गेंदबाजी से मिली है, इसलिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बने रहने के लिए वह लाइन व लेंथ में निरंतरता जरूरी मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरी गति हमेशा मेरे दिमाग में रहती है पर अपनी आईपीएल यात्रा के दौरान मैंने सीखा है कि इस प्रारूप में और खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निरंतरता सबसे अहम है। इस गेंदबाज ने कहा, 'लाइन और लेंथ महत्वपूर्ण है। लगातार सही लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करने से वास्तव में मदद मिलती है क्योंकि बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाते हैं। मैं अपनी लाइन और लेंथ को सटीक रखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा हूं। मयंक ने कहा कि उनके लिए चोट से उबरने के दौरान पिछले चार महीने काफी चुनौतीपूर्ण थे। उन्होंने कहा, 'मेरी चोट के दौरान का समय वास्तव में कठिन था क्योंकि पिछले चार महीनों में मुझे कई चरणों से गुजरना पड़ा, उतार-चढ़ाव देखना पड़ा। आईपीएल के दौरान उन्होंने लेंथ और अत्यधिक गति पर ध्यान केंद्रित किया लेकिन बांग्लादेश के खिलाफ इस गेंदबाज ने धीमी गेंदों को भी फेंका। उन्होंने कहा, 'मैंने आईपीएल के दौरान धीमी गेंदों का अधिक उपयोग नहीं किया क्योंकि उनकी वास्तव में आवश्यकता नहीं थी। साथ ही कहा कि पिच से अगर मदद मिले तो मैं ज्यादा विविधता पर ध्यान नहीं देता हूं।

एशियाई टेटे चैंपियनशिप: भारतीय पुरुष टीम ने लगातार तीसरा पदक सुनिश्चित किया, महिला टीम को कांस्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष टेबल टेनिस टीम ने बुधवार को क्वार्टर फाइनल में कजाखस्तान को 3-1 से हराकर एशियाई चैंपियनशिप में अपना लगातार तीसरा पदक पक्का कर लिया। पुरुषों की टीम स्पर्धा में पदक तब सुनिश्चित हुआ जब महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से हार गई और उसे पहली बार कांस्य पदक मिला।

पुरुषों के क्वार्टर फाइनल में विश्व के 60वें नंबर के खिलाड़ी मानव ठक्कर ने कजाखस्तान के शीर्ष रैंकिंग के विश्व के 41वें नंबर के खिलाड़ी किरिल गेरासिमेंको को 3-0 (11-9, 11-7, 11-6) से हराकर उलटफेर किया। कजाखस्तान के एलन कुरमंगलियेव (विश्व रैंकिंग 183) ने अपनी टीम को वापसी दिलाते हुए हरमीत देसाई को 3-0 (11-6, 11-5, 11-8) से हराया और मैच को 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के दिग्गज खिलाड़ी अनुभवी शरत कमल ने तीसरे मैच में ऐडोस केजिगुलोव को 3-0 (11-4, 11-7, 12-10) से आसानी से हराया और भारत की बढ़त 2-1 हो गई। हरमीत ने चौथे मैच में गेरासिमेंको को हराकर भारत की जीत तय की। अस्थिर शुरुआत के बाद विश्व के 91वें नंबर के खिलाड़ी हरमीत ने अपने पैर जमाए। उन्होंने दूसरे और चौथे गेम जीतने के बाद पांचवें गेम में 6-1 की बढ़त बनाई।

गेरासिमेंको ने वापसी की कोशिश की लेकिन हरमीत ने पांचवां और निर्णायक गेम जीतकर भारत को सेमीफाइनल में जगह दिलाई। भारत की पुरुष टीम ने 2023 और 2021 में पिछले दो सत्र में कांस्य पदक जीता था। भारत ने इस जीत के साथ एशियाई चैंपियनशिप में अपना सातवां पदक सुनिश्चित किया। भारत गुरुवार को सेमीफाइनल में चीनी ताइपे और जापान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से खेलेगा। इससे पहले भारतीय महिला टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने यहां कांस्य पदक जीता जो इस स्पर्धा में उनका पहला पदक है।

भारतीय टीम को सेमीफाइनल में जापान ने 3-1 से हराया था। भारत की अर्पिका मुखर्जी ने जापान की मिवा हरीमोतो को कड़ी टक्कर दी लेकिन 8-11, 11-9, 8-11, 13-11, 7-11 से हार गईं। वहीं मनिका बत्रा ने सत्सुकी ओडो को दूसरे मैच में 11-6, 11-5, 11-8 से हराया। अगले मैच में सुतीर्था मुखर्जी के खिलाफ जापान की मिमा इतो ने 11-9, 11-4, 15-13 से जीत दर्ज की। दी। मिमा ने इसके बाद मनिका को 11-6, 6-11, 11-2, 11-3 से हराकर अपनी टीम को जीत दिलाई।

संन्यास के आपके फैसले से हैरान हूं : खेलमंत्री मांडविया ने जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को लिखा पत्र

नई दिल्ली(एजेंसी)। नई दिल्ली = खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को जिम्नास्ट दीपा कर्माकर को पत्र लिखकर खेल से संन्यास लेने के उनके फैसले पर हैरानी जताई। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली भारतीय महिला जिम्नास्ट बनी दीपा रियो ओलंपिक 2016 में चौथे स्थान पर रही थी। उन्होंने सोमवार को खेल को अलविदा कह दिया।

मांडविया ने दीपा को लिखे पत्र में कहा, 'मुझे पता चला कि आपने जिम्नास्टिक से संन्यास ले लिया है। आपके फैसले पर मैं आश्चर्यचकित हूं लेकिन मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जीवन की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं और अनुभवों को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया होगा। मैं आपके इस निर्णय का पूर्ण सम्मान करता हूं।' उन्होंने कहा, 'आपकी जिम्नास्टिक की यात्रा जो मात्र छह वर्ष की आयु से प्रारंभ हुई, अत्यंत ही प्रेरणादायक रही। आपने इस खेल में अनेक कठिनाइयों का सामना करते हुए सफलता के उच्च शिखरों को छुआ और देश को गौरवान्वित किया। मेजर ध्यानचंद खेल रत्न और पद्मश्री जैसे प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित होना आपके अद्वितीय योगदान का प्रमाण है।'

उन्होंने आगे लिखा, 'आपका ओलंपिक में हिस्सा लेकर भारतीय जिम्नास्टिक्स में एक नया अध्याय जोड़ना और इस खेल में भाग लेने वाली प्रथम भारतीय महिला बनना न केवल आपके व्यक्तिगत परिश्रम का परिणाम बल्कि पूरे देश के लिये गर्व का विषय है। विशेष रूप से प्रोडुनोवा वॉल्ट में आपका प्रदर्शन अद्वितीय रहा है। आपकी उपलब्धियों ने न केवल खेलप्रेमियों को प्रेरित किया है बल्कि विशेष रूप से हमारी बेटियों को भी खेलों में अपने सपनों को साकार करने का साहस प्रदान किया है।'

उन्होंने कहा, 'ओलंपिक के वह ऐतिहासिक क्षण जब आप मात्र 0.15 अंकों से पदक से चूक गईं, फिर भी आपने अपने धैर्य और समर्पण से पूरे राष्ट्र का दिल जीत लिया।' मांडविया ने लिखा, 'आपकी यह यात्रा देश के लिए अनमोल धरोहर है और मैं आशा करता हूं कि आप अपनी इस अद्वितीय प्रतिभा और अनुभव को आने वाली पीढ़ी के साथ साझा करेंगी।'

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में हेड को सलामी बल्लेबाज के तौर पर न भेजें : इयान चैपल

सिडनी । भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अगले माह शुरु हो रही बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी को लेकर दिग्गज क्रिकेटरों की बयानबाजी जारी है। इसी कड़ी में आज ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान इयान चैपल ने कहा है कि इस सीरीज में ट्रेविस हेड को पारी की शुरुआत के लिए नहीं भेजा जाना चाहिये। चैपल ने पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलियाई टीम को सुझाव दिया है कि वह इस प्रकार की गलती नहीं करे। चैपल का मानना है कि हेड एकदिवसीय और टी20 में एक जबरदस्त सलामी बल्लेबाज है पर टेस्ट क्रिकेट इससे अलग है और उन्हें इसका कम ही अनुभव है। गौरतलब है कि डेविड वॉर्नर के सन्यास के बाद ऑस्ट्रेलिया को उनकी जगह पर सलामी बल्लेबाज के तौर पर अभी तक कोई अच्छा बल्लेबाज नहीं मिल पाया है। इस कारण स्टीवन स्मिथ और हेड पारी की शुरुआत कर रहे हैं। स्मिथ सलामी बल्लेबाज के तौर पर अब तक सफल नहीं हुए हैं। सलामी बल्लेबाज के तौर पर उनका औसत 30 से भी कम रहा है, जबकि नंबर तीन और चार पर वे 60 से ज्यादा के औसत से खेलते रहे हैं।

समाचार गेट
TITLE CODE : HARHIN11569

स्वामी (मुद्रक, प्रकाशक) रुबीना यादव द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर-6, नीएडा 201301, उत्तर प्रदेश से मुद्रित करवाकर कार्यालय मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) से प्रकाशित किया। संपादक: कृष्णा शर्मा। संपादकीय कार्यालय: मकान नंबर 2, नियर सेक्टर-61, विलेज मलेरना, बल्लभगढ़ फरीदाबाद, (हरियाणा) पीआरपी एक्ट के अंतर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र फरीदाबाद न्यायालय होगा। कानूनी सलाहकार: बृहस्पत शर्मा, 9818180269, ईमेल : krishna24news@gmail.com

सुजॉय घोष ने 'जाने जां' में करीना की कास्टिंग को लेकर किया खुलासा

अभिनेत्री करीना कपूर खान ने सुजॉय घोष की मिस्ट्री थ्रिलर 'जाने जां' के साथ ओटीटी पर डेब्यू किया था। उनकी भूमिका को काफी सराहा गया और उन्होंने सिद्ध कर दिया कि उन्हें भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे प्रतिभाशाली सितारों में क्यों गिना जाता है। इस फिल्म में अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत और विजय वर्मा के साथ माया डिसूजा के रूप में अपनी भूमिका को बखूबी निभाया। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान सुजॉय घोष ने फिल्म को लेकर एक खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि फिल्म निर्माण से पहले कुछ लोगों ने उनसे कहा था कि 'बेबो' इस फिल्म के लिए दार्जिलिंग नहीं जाएगी। हाल ही में मैशेबल इंडिया से बात करते हुए सुजॉय घोष ने 'जाने जान' के लिए करीना कपूर खान की कास्टिंग को लेकर चल रहे संशय और गलतफहमियों के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जब लोग किसी को सार्वजनिक रूप से देखते हैं, तो उनके बारे में आसानी से राय बना लेते हैं। फिल्म निर्माता ने कहा, 'कई लोगों ने मुझसे कहा था कि करीना कभी दार्जिलिंग में शूटिंग नहीं करेंगी, लेकिन ऐसा नहीं था। उन्होंने इस प्रोजेक्ट के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्धता दिखाई।' उन्होंने कहा कि बेबो का अपने काम के प्रति समर्पण सराहनीय है। बातचीत के दौरान सुजॉय घोष ने कहा कि एक किरदार लिखते समय, वह हमेशा अपने दिमाग में एक चेहरा बनाते हैं। निर्देशक ने खुलासा करते हुए कहा, 'जब मैं एक मां की भूमिका लिख रहा था जो अपने बच्चे की मदद करने के लिए चौबीसों घंटे काम करती है, खुद को प्राथमिकता देने के लिए उसके पास कोई समय नहीं है, लेकिन फिर भी वह सुंदर दिखती है, तो मुझे करीना दिखाई देती है।' निर्माता ने आगे कहा कि उनके वह भाग्यशाली थे कि करीना कपूर खान ने उस भूमिका को निभाने के लिए सहमत हो गई और उनके हां के साथ उनका आधा काम पूरा हो गया।

शनाया कपूर के बॉलीवुड डेब्यू का इंतजार खत्म, आंखों की गुस्ताखियां में करेंगी अभिनय

संजय कपूर की 24 वर्षीय बेटी शनाया कपूर बॉलीवुड में डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। कथित तौर पर वह फिल्म आंखों की गुस्ताखियां में विक्रांत मैसी के साथ अभिनय करेंगी। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म में शनाया कपूर एक थिएटर आर्टिस्ट की भूमिका निभाएंगी जबकि विक्रांत मैसी (37) एक दृष्टिहीन संगीतकार के किरदार में होंगे। कहानी उनके प्रेम और आत्म-खोज की परिवर्तनकारी यात्रा के इर्द-गिर्द घूमेगी। इसे 2025 के मध्य में रिलीज करने का लक्ष्य है। आंखों की गुस्ताखिया कथित तौर पर प्रसिद्ध भारतीय लेखक रस्किन बॉन्ड की लोकप्रिय लघु कहानी द आइज हैव इट पर आधारित है। फिल्म करुणा, इच्छाशक्ति, स्वतंत्रता, इच्छा, धारणा, स्मृति और आत्मविश्वास के विषयों का पता लगाएगी। यह संगीतमय पृष्ठभूमि पर आधारित शानदार उतार-चढ़ाव से भरी एक आकर्षक कहानी होने का वादा करती है। ब्रोकन बट ब्यूटीफुल, अपहरण और रणनीति- बालाकोट एंड बियॉन्ड जैसे वेब शो के निर्देशन के लिए जाने जाने वाले संतोष सिंह कथित तौर पर आंखों की गुस्ताखियां का निर्देशन करेंगे। पटकथा को निरंजन अयंगर और मानसी बागला ने रूपांतरित किया है। शुरुआत में अयंगर को फिल्म का निर्देशन करना था, लेकिन ऐसी फिल्मों को संभालने में व्यापक अनुभव के कारण कथित तौर पर सिंह द्वारा उनकी जगह ले ली गई। रिपोर्ट तो यह भी है कि फिल्म में शनाया कपूर को फाइनल करने से पहले निर्माता कथित तौर पर तारा सुतारिया, अलाया एफ और प्रतिभा रांटा के साथ चर्चा कर रहे थे। यह अपडेट शनाया कपूर के बॉलीवुड लॉन्च के लंबे इंतजार के बाद आया है। प्रारंभ में, उन्हें करण जौहर द्वारा शशांक खेतान की शहरी ट्रायएंगल प्रेम कहानी बेधड़क में पेश किया जाना था, लेकिन इसे बंद कर दिया गया।

सिंघम अगेन के बाद एटली की बेबी जॉन में एक्शन दृश्य में नजर आएंगे सलमान खान

वरुण धवन की आने वाली फिल्म बेबी जॉन को लेकर उत्सुकता सलमान खान की कैमियो उपस्थिति की घोषणा के साथ ही चरम पर पहुंच गई है। तमिल हिट थेरी की रीमेक, एक्शन से भरपूर यह फिल्म वरुण धवन और एटली की शानदार जोड़ी को एक साथ लेकर आई है, जो एक ऐसा सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है जो दर्शकों को निश्चित रूप से लुभाएगा। मिड-डे की एक रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म में सलमान खान की भूमिका को उनकी प्रतिष्ठित स्थिति के साथ न्याय करने के लिए सावधानी से तैयार किया गया है। जबकि मूल थेरी में प्रभु ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाई थी, एटली और फिल्म के निर्देशक, कलीस ने इस अवसर का लाभ उठाते हुए, खान की अनूठी शैली और करिश्मे के अनुरूप चरित्र को फिर से तैयार किया है। सुपरस्टार एक्शन से भरपूर दृश्यों में नजर आएंगे, जिसमें वे अपना ट्रेडमार्क करिश्मा दिखाएंगे और मजाकिया संवाद बोलेंगे। एक सूत्र ने खुलासा किया, क्चूंकि सलमान अपनी एक्शन भूमिकाओं और स्वैग के लिए जाने जाते हैं, इसलिए एटली और कलीस ने सुपरस्टार को लेकर कुछ लड़ाई के दृश्य जोड़े हैं। उन्हें कुछ मजाकिया संवादों के साथ एक साहसी पुलिस अधिकारी के रूप में देखा जाएगा।क्ष बेबी जॉन धवन के किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक समर्पित पुलिस अधिकारी है, जिसे एक व्यक्तिगत त्रासदी के बाद पुलिस बल छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वह अपनी बेटी की रक्षा के लिए छिप जाता है और जब तक उसकी सुरक्षा को खतरा नहीं होता, तब तक एक शांत जीवन जीता है। यहीं पर खान का किरदार सामने आता है, जो नायक के लिए एक संरक्षक और मार्गदर्शक शक्ति के रूप में काम करता है। सूत्र ने कहा, क्सलमान के पुलिस वाले को नायक के लिए एक संरक्षक के रूप में दिखाया गया है। वह वरुण के चरित्र में विश्वास दिखाएंगे और उसे पुलिस बल में वापस लाएंगे।क्ष खान इस सप्ताहांत अंधेरी स्टूडियो में अपने कैमियो की शूटिंग करने वाले हैं। धवन, जिन्होंने पहले अप्रैल में फिल्म के अपने हिस्से पूरे कर लिए थे, खान और फिल्म के खलनायक जैकी श्रॉफ के साथ काम करने के लिए फिर से सेट पर शामिल होंगे। दो दिनों में, खान अपना परिचय दृश्य फिल्माएंगे और रोमांचक एक्शन दृश्यों में शामिल होंगे। कलीस और लेखक सुमित अरोड़ा सहित रचनात्मक टीम यह सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है कि खान का कैमियो उनके प्रशंसकों के लिए एक यादगार तोहफा हो।

ज़रीन ने विक्रमादित्य मोटवानी की तारीफ़ की

ज़रीन खान उन मशहूर हस्तियों की लिस्ट में शामिल हो गई हैं, जो विक्रमादित्य मोटवानी के लेटेस्ट प्रोजेक्ट CTRL की प्रशंसा कर रहे हैं। खान ने फ़िल्म के बारे में अपने विचार अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा किए। इससे पहले, अनुराग कश्यप, सामंथा रूथ प्रभु और जैसे कई सेलिब्रिटीज ने फिल्म पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लिया। यह पहली बार नहीं है, जब ज़रीन ने अपने इंडस्ट्री के लोगों के काम की सराहना की है। अपने सोशल मीडिया पर एक्टिव रहने वाली एक्ट्रेस ने अपने फैंस और फॉलोवर्स के साथ अपने एक्साइटमेंट और राय साझा करने में कभी संकोच नहीं किया। खान फिलहाल अपने फिटनेस वीडियो के लिए सुर्खियों में हैं, जिसने उनकी सिल्वर स्क्रीन वापसी को लेकर उत्साह बढ़ा दिया है। हाल ही में, आरके मी एनीथिंग सेशन के दौरान, एक्ट्रेस ने वादा किया था कि उनके दर्शक उन्हें जल्द ही स्क्रीन पर देख पाएंगे। अभिनेत्री ने कथित तौर पर कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट साइन किए हैं, जिनकी घोषणा वह जल्द ही करेंगी।

गुडाचारी 2 के सेट पर घायल हुए इमरान

इमरान हाशमी हाल ही में गुडाचारी 2 की कास्ट में शामिल हुए हैं। हैदराबाद में एक इंटेंस एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान गर्दन में चोट लग गई है। बताया जा रहा है कि अभिनेता जंप सीक्वेंस के दौरान घायल हो गए, जिससे उनकी गर्दन पर गहरा कट लग गया। इमरान हाशमी हैदराबाद में फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। रिपोर्ट्स के अनुसार, इमरान हाशमी को यह चोट तब लगी, जब वे एक कठिन स्टंट फिल्मा रहे थे। प्रोडक्शन सेट से एक सूत्र ने बताया, इमरान एक एक्शन सीन की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनकी गर्दन में चोट लग गई। चोट संभवतः जंपिंग सीन के दौरान लगी। सौभाग्य से, ऐसा लगता है कि चोट का इलाज किया जा रहा है और इमरान हाशमी जल्द ही फिल्मांकन फिर से शुरू कर सकते हैं।

आलिया भट्ट नहीं थीं 'डियर जिंदगी' के लिए पहली पसंद!

आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'जिगरा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। अभिनेत्री यश राज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा' की शूटिंग भी कर रही हैं। आलिया ने बहुत ही कम समय में खुद को बॉलीवुड के सुपरस्टार्स की लिस्ट में शामिल कर लिया। उन्होंने 'राजी', 'गंगूबाई काठियावाड़ी', 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी', 'डार्लिंग्स' जैसी बहुत सी फिल्मों में काम किया है। इन फिल्मों ने उनकी जगह इंडस्ट्री में पक्की कर दी। अभिनेत्री ने शाहरुख खान के साथ 'डियर जिंदगी' में अभिनय किया। इस फिल्म में उन्होंने शानदार भूमिका निभाई। हालांकि, बहुत कम लोग जानते हैं कि इस फिल्म के लिए आलिया पहली पसंद नहीं थीं। इस बारे में खुद अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार के दौरान साझा किया। उन्होंने बताया कि वह डियर 'जिंदगी' के लिए गौरी की पहली पसंद नहीं थीं। गौरी शिंदे, जो श्रीदेवी के साथ 'इंग्लिश विंग्लिश' की सफलता के बाद वापसी कर रही थीं। उनके दिमाग में 'डियर जिंदगी' के लिए कोई और ही था। बातचीत में अभिनेत्री से जब पूछा गया कि क्या उन्हें पता था कि वह इस फिल्म के लिए पहली पसंद नहीं थीं? साक्षात्कार के दौरान आलिया ने साझा किया कि शाहरुख खान और करण जौहर, जो फिल्म के निर्माता भी थे, उन्होंने गौरी को आलिया पर विचार करने के लिए मनाया, क्योंकि उन्हें लगा कि वह भूमिका के लिए बहुत छोटी नहीं दिखेंगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आलिया ने कहा, 'मुझे पता है कि पहले कोई और भी इस फिल्म के लिए राजी था और फिर इस बारे में बातचीत हुई कि शायद यह फिल्म मेरे पास आ सकती है। मुझे बस इतना ही पता है।

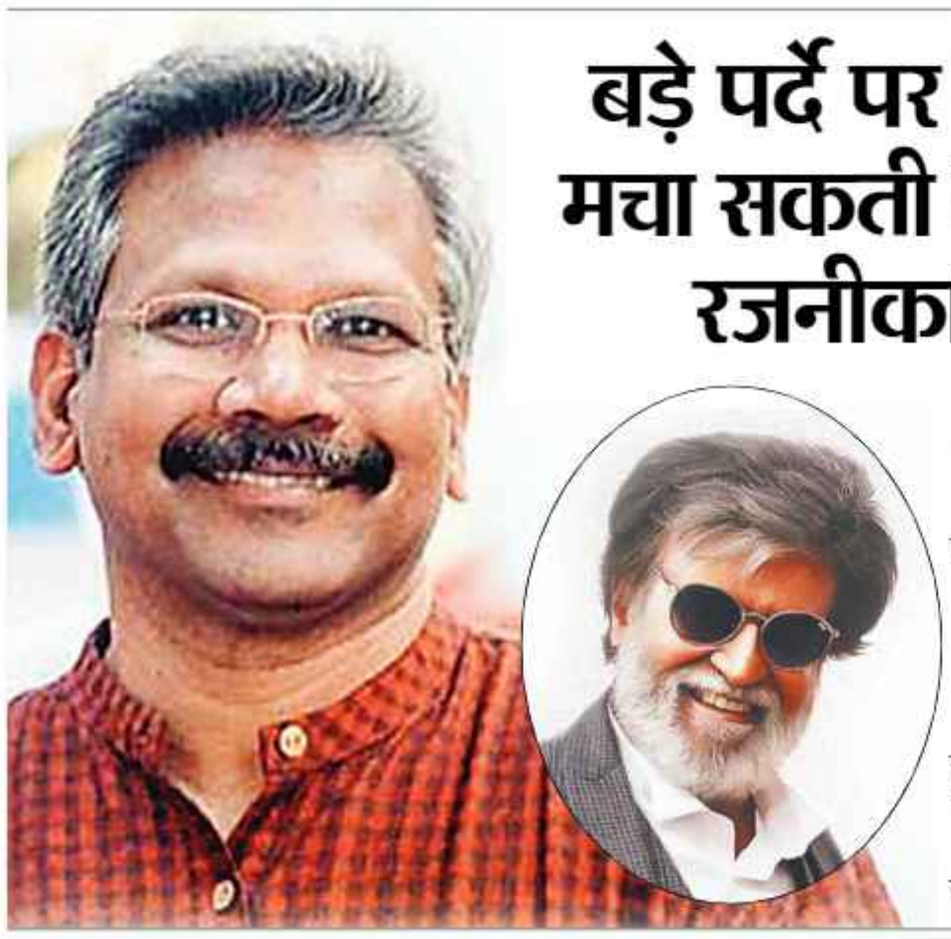

बड़े पर्दे पर फिर धमाल मचा सकती है मणिरत्नम रजनीकांत की जोड़ी

सुपरस्टार रजनीकांत जल्द ही निर्देशक मणिरत्नम की फिल्म में काम करते हुए नजर आ सकते हैं। 33 साल बाद अभिनेता-निर्देशक की जोड़ी पर्दे पर बड़ा धमाल मचा सकती है। पिछली बार दोनों ने साल 1991 में दलपति नाम की फिल्म में साथ काम किया था। इसे कॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री में कल्ट का दर्जा प्राप्त है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक निर्देशक मणिरत्नम अपने आगामी प्रोजेक्ट के लिए रजनीकांत से संपर्क साधने की योजना बना रहे हैं। फिल्म दलपति में रजनीकांत के साथ ममूटी भी मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी महाभारत के कर्ण और दुर्योधन की दोस्ती से प्रेरित थी। यह फिल्म व्यावसायिक रूप से बहुत सफल रही और तमिल फिल्म इंडस्ट्री में दोनों सितारों के करियर के लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुई थी। मणिरत्नम की बात करें तो वह 34 साल बाद इन दिनों ठग लाइफ में कमल हासन के साथ काम कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और इसके अगले साल रिलीज होने की संभावना है। इस फिल्म में कमल हासन, त्रिशा, सिम्बू, नासिर, अभिराम, जोजू जॉर्ज, गौतम कार्तिक, ऐश्वर्या लक्ष्मी, सान्या मल्होत्रा, अली फजल और पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं और इसका संगीत एआर रहमान ने दिया है। वर्क फ्रंट की बात करें तो रजनीकांत अपनी फिल्म वेट्टैयन की रिलीज के लिए तैयार हैं, जो 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। टीजे ज्ञानवेल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रजनीकांत के साथ अमिताभ बच्चन, राणा दग्गुबाती, फहाद फासिल, मंजू वारियर, दुशारा विजयन, रितिका सिंह, अभिराम और रक्षण अहम किरदारों में दिखने वाले हैं। फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। सुपरस्टार अभिनेता की 71वीं फिल्म कुली भी लोकेश कनगराज के साथ है और इसका पहला शेड्यूल हाल ही में हैदराबाद में पूरा हुआ है। रजनीकांत के अलावा फिल्म के कलाकारों में श्रुति हासन, नागार्जुन, उपेंद्र राव, सौबिन शाहिर, सत्यराज जैसे सितारों के नाम शामिल हैं।

दूसरे धर्म में शादी पर बोलीं प्रियामणि

सिनेमा फिल्मों जगत में दूसरे धर्म में शादी करना और दिल लगाना आम बात है। इंडस्ट्री के ऐसे कई कपल हैं, जिन्होंने धर्म की दीवार तोड़कर अपना घर बसाया है। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा ने दूसरे धर्म में जहीर इकबाल से शादी की है। दोनों की शादी पर काफी बवाल मचा था। सोशल मीडिया पर ट्रोल्स ने जमकर सिन्हा परिवार पर निशाना साधा था और उल्टा सीधा बोला था। ऐसे में अब उन्होंने ट्रोल्स को जवाब दिया है और बताया क्या कुछ सहना पड़ा था। इस दौरान उन्होंने दूसरे धर्म में शादी पर ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की और बताया कि कैसे लोग लव-जिहाद करने लगे थे। प्रियामणि ने ट्रोलिंग पर बात करते हुए कहा कि वो जन्म से ही हिंदू हैं और हमेशा अपने धर्म का पालन करेंगी। इतना ही नहीं, एक्ट्रेस ने बताया कि नेटिजन्स उन पर आरोप लगाते हैं कि उन्होंने धर्म परिवर्तन किया है और तो और उन्हें लव जिहाद, मुस्लिम और उनके बच्चे आतंकवादी बनने जा रहे हैं, जैसे मैसेज करते हैं।